{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 14 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 260
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सीएम सतीशन को जान से मारने की धमकी

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य विधायक टी.के. गोविंदन ने भी इसी तरह की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शामएक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम शहर जिला पुलिस कमान एवं नियंत्रण केंद्र को फोन किया और मुख्यमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। एफआईआर के अनुसार, कारण पूछे जाने पर, फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री सतीशन को पसंद नहीं करता। एफआईआर में कहा गया है कि फोन उठाने वाले पुलिस अधिकारी को गाली देने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर पूछा कि क्या मुख्यमंत्री के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

असम में 18 साल से अधिक उम्र वालों के आधार कार्ड जारी करने पर रोक-मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा

गुवाहाटी। असम सरकार ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। हालांकि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और चाय बागान समुदाय से जुड़े लोगों को मार्च 2027 तक आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद दी। कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम कैबिनेट ने फैसला किया है कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड नहीं दिया जाएगा। हालाँकि एससी, एसटी और चाय बागान समुदाय के लोगों को मार्च 2027 तक आधार कार्ड मिलते रहेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले आर्मी चीफ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। वे 31वें आर्मी चीफ होंगे। सेठ अभी उप सेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं। धीरज सेठ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल जून 2026 तक है। उन्होंने 30 जून 2024 को आर्मी चीफ का पद संभाला था। आर्मी चीफ का कार्यकाल 3 साल या 62 साल की उम्र (दोनों में जो भी पहले पूरा हो) तक होता है। दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन हासिल करने वाले धीरज सेठ को करीब 40 साल का सैन्य अनुभव है। उन्होंने रेगिस्तान, जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी मोर्चे सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में कमान संभाली है। धीरज सेठ दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जीओसी-इन-सी भी रह चुके हैं। वे पश्चिमी मोर्चे पर दो ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व करने वाले चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मिशन (अंगोला), सेना मुख्यालय और क्षमता विकास से जुड़े कई अहम पदों पर भी काम किया है।

कुछ ना कहना

जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ एएन-32 मालवाहक, लैंडिंग के दौरान आग लगी, दो हिस्सों में टूटा

विमान हादसे में पांच जवान बलिदान

नई दिल्ली। एजेंसी।

भारतीय वायुसेना का एक एएन-32 परिवहन विमान असम के जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। भारतीय वायुसेना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब एएन-32 जोरहाट एयरफील्ड पर उतरने की कोशिश कर रहा था। भारतीय वायुसेना का एएन-32 विमान एयरफोर्स स्टेशन के परिसर के भीतर ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। क्रैश होने के तुरंत बाद विमान में भीषण आग लग गई। भारतीय वायु सेना की तरफ से बताया गया है कि असम के जोरहाट में एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। वायुसेना की तरफ से जवानों के बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है। वायुसेना का कहना है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।

जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर हादसा

बता दें कि, असम के जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर शनिवार को भारतीय वायुसेना का एएन-32 मालवाहक विमान लैंडिंग के तुरंत बाद आग की चपेट में आ गया था। इस घटना के बाद एयरबेस पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने अपना काम शुरू कर दिया गया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, उसमें अचानक आग लग गई और उससे घना धुआं उठने लगा। यह नजारा काफी भयावह था, जिसे देखते ही एयरपोर्ट और वायुसेना की फायर और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने तुरंत आग बुझाने का अभियान शुरू किया था। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक हादसा उस समय हुआ जब एएन-32 विमान जोरहाट हवाई पट्टी पर उतरने का प्रयास कर रहा था। हालांकि भारतीय वायुसेना की ओर से अभी तक इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार दुर्घटना के कारणों की जांच कराई जाएगी और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही विस्तृत जानकारी सामने आने की संभावना है। फिलहाल प्रशासन और वायुसेना के अधिकारी घटनास्थल पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया

वायु सेना ने इस दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी (जांच समिति) बनाई जा रही है। भारतीय वायु सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। वायु सेना ने कहा कि आज जोरहाट में लैंडिंग के दौरान आईएएफ के एक एएन-32 विमान का एक्सीडेंट हो गया। दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है। इससे पहले, रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि असम के जोरहाट जिले में लैंडिंग के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना तब हुई जब विमान रोवरियाह इलाके में आईएएफ के एयरबेस पर लैंड कर रहा था।

सोवियत दौर में बना था मालवाहक विमान

एएन-32 विमान, जो सोवियत दौर में बना था, भारतीय वायुसेना के लिए कई दशकों से एक अहम ट्रांसपोर्ट विमान रहा है। खासतौर पर पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में सामान और जवानों को पहुंचाने में इसका बड़ा योगदान रहा है। लेकिन इसके साथ पहले भी कई हादसे जुड़े रहे हैं, जिससे इसकी सुरक्षा को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

भारत इस समय भीषण संकट में, मोदी सरकार नहीं बल्कि कांग्रेस ही देश को संकट से बाहर निकाल सकती है, 'मोदी मस्ट गो'- यशवंत सिन्हा

मुंबई। देश में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय भी विपक्ष का सम्मान किया जाता था। संसद में कभी विपक्ष को दुश्मन नहीं माना गया, लेकिन आज विपक्ष को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीतिक प्रतिशोध का दौर चल रहा है और इससे देश के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस संकट का मुकाबला केवल कांग्रेस ही कर सकती है। कांग्रेस पर बड़ी जिम्मेदारी है और कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर संघर्ष करने का जो निर्णय लिया है, वह सही है क्योंकि वर्तमान संकट से मोदी सरकार देश को बाहर नहीं निकाल सकती। इसलिए 'मोदी मस्ट गो', ऐसा स्पष्ट संदेश पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने दिया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अर्थशास्त्र विभाग तथा ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस द्वारा संयुक्त रूप से 'भारत में आने वाली आर्थिक सुनामी?' विषय पर एक परिसंवाद आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा, वरिष्ठ अर्थशास्त्री प्रो. अरुण कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, पूर्व सांसद एवं योजना आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. भालचंद्र मुंगेकर, पूर्व सांसद कुमार केतकर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की। इस अवसर पर यशवंत सिन्हा ने कहा कि मोदी सरकार जिस विकास दर का दावा कर रही है, उसके आंकड़े ही गलत हैं। सरकार कह रही है कि भारत की विकास दर 7.7 प्रतिशत है, लेकिन वास्तविकता अलग है। अनेक अर्थशास्त्रियों ने इन आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी भारत के आंकड़ों पर संदेह जताते हुए भारत को 'सी' ग्रेड में रखा है और कहा है कि भारत के आंकड़े पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। जबकि ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को 'ए' ग्रेड मिला है। निवेश बढ़ेगा तभी विकास दर बढ़ेगी, लेकिन पिछले 12 वर्षों में निवेश GDP के लगभग 32 प्रतिशत के आसपास ही रहा है। ऐसे में विकास दर 6 से 6.5 प्रतिशत ही हो सकती है। सरकार के आंकड़े वास्तविकता से मेल नहीं खाते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं, लेकिन इसके लिए 8 प्रतिशत से अधिक विकास दर आवश्यक है और वर्तमान परिस्थितियों में यह लक्ष्य प्राप्त करना बेहद कठिन दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने खड़ा संकट केवल ईरान युद्ध के कारण नहीं है। सरकार डीजल का राशनिंग कर रही है, रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, महंगाई बढ़ रही है और शेयर बाजार की स्थिति भी चिंताजनक है। पिछले दो वर्षों में 3.25 लाख करोड़ रुपये देश से बाहर चले गए हैं। किसान संकट में है, उर्वरकों की कमी है और ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। इसका व्यापक असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

कला के नाम पर अभद्रता बर्दाश्त नहीं- महिला आयोग की कलाकारों को सख्त चेतावनी

गुरुग्राम। गुरुग्राम से हाल ही में सामने आए 370 ब्रियानी विवाद ने मनोरंजन जगत में मर्यादा की बहस छेड़ दी है। मामले में हरियाणा महिला आयोग की नव नियुक्त अध्यक्ष उषा प्रियदर्शिनी ने कड़ा रुख दिखाकर कलाकारों, गायकों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को सीधी चेतावनी दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि मनोरंजन और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर महिलाओं को मजाक का पात्र बनाना या उन पर अभद्र टिप्पणियां करना अब सहन नहीं होगा।

हरियाणा महिला आयोग अध्यक्ष ने विशेष रूप से स्टैंड-अप शोज में महिलाओं पर बढ़ते अभद्र कटाक्ष पर चिंता जाहिर की। प्रियदर्शिनी ने कहा कि वीडियो की शुरुआत में यह केवल मनोरंजन के लिए है लिख देने मात्र से कलाकार अपने आपत्तिजनक और गरिमाहीन बयानों की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। कला के नाम पर फूहड़ता और अपमान परोसने की इजाजत किसी को नहीं है। भारतीय संस्कृति का हवाला देकर उन्होंने कहा कि महिलाएं देवी, दुर्गा और मां का रूप हैं, और उनका अपमान किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं। आयोग अब इसतरह के कॉमेडियन्स, गायकों और फिल्मकारों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है।

यह चेतावनी केवल स्टैंड-अप कॉमेडी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हरियाणवी गायक और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भी शामिल हैं, जो गानों व रील्स के माध्यम से समाज में नकारात्मकता और महिलाओं के प्रति गलत संदेश फैला रहे हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि कला और संगीत को आजीविका का जरिया बनाना ठीक है, लेकिन इसके साथ ही समाज को सही और सकारात्मक दिशा देना कलाकारों की नैतिक जिम्मेदारी है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आयोग ने ठोस रणनीति बनाई है। गु ?गांव और आसपास के क्षेत्रों में स्टैंड-अप कॉमेडी शो आयोजित करने वाले आयोजकों के साथ जल्द ही एक विशेष बैठक कर नई गाइडलाइंस तय की जाएंगी। पहले कलाकारों और आयोजकों को आगाह किया जाएगा, और यदि समझाने के बाद भी सुधार नहीं आता है,तब आयोग कानून के तहत सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी का जयपुर में 15 जून को तीसरा बड़ा प्रदर्शन

जयपुर। सोशल मीडिया पर जन्मी और फिलहाल एक युवा समूह के रूप में सक्रिय कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), दिल्ली व पुणे के बाद अब जयपुर में अपना तीसरा बड़ा प्रदर्शन करने वाली है। यह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन सोमवार, 15 जून को दोपहर 3 बजे जयपुर के शहीद स्मारक पर आयोजित होगा, जिसमें पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके भी शामिल हो रहे है। इसके साथ ही, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। सीजेपी ने 6 जून को दिल्ली के जंतर मंतर पर अपना पहला प्रदर्शन किया था,इसके बाद 11 जून को पुणे में दूसरा प्रदर्शन आयोजित हुआ। दोनों जगहों पर मिले व्यापक समर्थन से उत्साहित सीजेपी अब राजस्थान में अपनी पैठ बना रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक रांका ने बताया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक युवाओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होता। उनका आरोप है कि सरकारें युवाओं को धर्म और जाति जैसे मुद्दों में उलझाकर उनकी मूलभूत समस्याओं को नजरअंदाज कर रही हैं। जयपुर में होने वाले प्रदर्शन में प्रदेशभर से छात्र, अभिभावक, बेरोजगार युवा, शिक्षक और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेने वाले है। प्रदेश मीडिया प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर जन जागरण करना है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि राजस्थान, जो कभी देश को सर्वाधिक आईआईटीयन और चार्टर्ड अकाउंटेंट देता था, आज बुनियादी सुविधाओं की कमी, जर्जर विद्यालय भवनों और शिक्षा के गिरते स्तर से जूझ रहा है। दलित एक्टिविस्ट रोशन मुड़िया और गीगराज कोहली ने विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों, खराब आधारभूत संरचना और रोजगारोन्मुखी शिक्षा की कमी को गंभीर चुनौती बताया। उनका मानना है कि पेपर लीक और भर्ती घोटाले लाखों युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय हैं।

राम मंदिर दान चोरी केस में एसआईटी गठित

हिरासत में कर्मचारी, घर से 10 लाख रुपये बरामद

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जबकि स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां सीसीटीवी फुटेज, वित्तीय दस्तावेजों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार, हिरासत में लिया गया युवक रुदौली क्षेत्र के शुजागंज स्थित मीनापुर फगौली गांव का निवासी लव कुश मिश्र है। वह मंदिर के दानपात्रों में जमा चढ़ावे की राशि की गणना से जुड़े कार्यों में शामिल बताया जा रहा है। जांच के दौरान उसके घर से लगभग 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह रकम गोबर के भीतर छिपाकर रखी गई थी। बरामदगी के बाद जांच एजेंसियों ने उससे पूछताछ का दायरा और बढ़ा दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, केवल एक व्यक्ति की भूमिका की जांच पर्याप्त नहीं होगी, इसलिए दान संग्रह और राशि की गणना से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को खंगाला जा रहा है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कथित गड़बड़ी किस स्तर पर हुई और इसमें कितने लोग शामिल हो सकते हैं। मंदिर के दानपात्रों की गिनती से जुड़े कई कर्मचारी भी जांच के घेरे में हैं।

मामले में सीसीटीवी फुटेज को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। मंदिर परिसर और चढ़ावे की गिनती से जुड़े विभिन्न स्थानों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है। इसके अलावा वित्तीय लेनदेन, रिकॉर्ड और अन्य भौतिक साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश शासन ने विशेष जांच दल का गठन किया है। एसआईटी को सात दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिनों के अंदर विस्तृत अंतिम रिपोर्ट शासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच दल का नेतृत्व लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत को सौंपा गया है। टीम में आईपीएस अधिकारी किरन एस तथा वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन को सदस्य बनाया गया है।

इसी बीच राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी नृपेंद्र मिश्रा शनिवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। दान गबन मामले पर प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्यों की निगरानी तक सीमित है और वे उसी संबंध में अयोध्या आए हैं।

उधर, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रद्धालु की आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गड़बड़ी के आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन और जांच एजेंसियां हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही हैं।

विदेशी ताकतों ने देश को कमजोर किया-योगी

वाराणसी। वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विज्ञान भारती के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन कर विदेशी शक्तियों और वामपंथी विचारधारा पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लंबे समय तक हमारे देश में यह गलत धारणा रही कि भारतीय किसी काम के नहीं और केवल विदेशी ही श्रेष्ठ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन विदेशी शक्तियों, वामपंथी विचारधारा और भारत-विरोधी तत्वों ने देश को कमजोर करने की कोशिश की है और आज भी ऐसी ताकतें सक्रिय हैं जो हमारी प्रगति में बाधा डालना चाहती हैं। गंगा नदी के महत्व पर प्रकाश डालकर सीएम योगी ने अपने बचपन का एक मार्मिक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां पौधों पर कीड़े लगने या फूल न आने की स्थिति में गंगाजल का छिड़काव करती थीं, और आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही दिनों में वे पौधे फिर से खिल उठते थे। इस घटना ने उन्हें गंगा के पावन जल के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व का गहरा एहसास कराया। मुख्यमंत्री ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में आयोजित महत्वपूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत और सम्मान किया। विज्ञान भारती का यह दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 13 और 14 जून को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से लगभग 1200 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इन प्रतिभागियों में वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं।

भारतीय सेना को मिले 481 अधिकारी

16 मित्र देशों के 34 कैडेट बने सैन्य अधिकारी, 9 महिला कैडेटों ने रचा इतिहास

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ली आईएमए की पासिंग आउट परेड की सलामी

देहरादून। एजेंसी।

देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू आज देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड की समीक्षा की और नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने पास आउट होने वाले कैडेट्स को भारत माता की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं।

'महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि'.

इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता 9 महिला कैडेटों का सफलतापूर्वक पास आउट होना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक पड़ाव है, जो महिला-नेतृत्व वाले विकास तथा सशक्त भारत की अवधारणा को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

'वैश्विक रक्षा सहयोग का सशक्त प्रतीक .

परेड में 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए। राष्ट्रपति ने इसे भारत की वैश्विक मित्रता, आपसी विश्वास तथा अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग के बढ़ते आयामों का प्रतीक बताया।

'भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवा अधिकारियों से अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनकर नवप्रशिक्षित अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रपति ने सभी नव नियुक्त सैन्य अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अभिषेक बनर्जी के घर रात 3 बजे पुलिस की रेड

कोलकाता। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम सेंट्रल फोर्स के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला। छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थोड़ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह छापेमारी अभिषेक के पीए सुमित रॉय का पता लगाने के लिए की गई थी। सुमित के खिलाफ सालबोनी पुलिस स्टेशन में वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर केस दर्ज है। तब से पुलिस सुमित की तलाश में है। रॉय का मोबाइल फोन आखिरी बार बनर्जी के कालीघाट आवास पर ट्रेस किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने यहां छापा मारा। अभिषेक ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी ताला तोड़कर घर में घुसे और हर कमरे की तलाशी ली। अभिषेक के घर छापेमारी ऐसे वक्त की गई जब फर्जी हस्ताक्षर मामले में उनके खिलाफ सीआईडी जांच जारी है। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर लिखा कि तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ नहीं मिला। बस राजनीतिक बदले की भावना, डराना-धमकाना और मानसिक प्रताड़ना। ऑपरेशन लोटस उन सभी नेताओं को निशाना बना रहा है जो भाजपा के आदेशों के आगे झुकने से इनकार करते हैं। विपक्ष के खिलाफ बदले की भावना से किया गया काम है। यह घटिया हरकत है। शर्म की बात है।

बैहर सविता धुर्वे हत्याकांड का आज हो सकता है खुलासा

पुलिस का दावा जल्द होगी आरोपी की गिरफ्तारी, बेटियों ने किसी गणेश अंकल पर जताया शक,कहा वे अक्सर आते थे घर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर मोदीनगर सविता धुर्वे हत्याकांड के आरोपी, फिलहाल पुलिस गिरफ्त से बाहर है।जिन्हें जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करने की बात पुलिस द्वारा कही जा रही है।लेकिन अब इस हत्याकांड में एक गणेश नामक युवक का नाम सामने आ रहा है।सूत्र बताते है कि लास्ट बार, महिला को इसी के साथ देखे जाने की बात पड़ोसी भी दबी जुबान से कह रहे है।उधर महिला की बेटियो ने भी चर्चा में, बताया कि गणेश अंकल आते थे और वह घर में रहते थे। महिला की गला रेतकर हत्या करने वाले इस मामले में, महिला के बच्चों ने किसी गणेश नामक अंकल पर शक जताते हुए, अक्सर उनके घर आने की बात कही है।हालांकि पुलिस से इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन सूत्र बताते हैं कि पुलिस द्वारा रविवार को इस हत्याकांड का खुलासा किया जा सकता है।

क्या है पूरा मामला

ज्ञात हो कि शुक्रवार को बैहर के मोदीनगर स्थित एक निर्माणाधीन मकान में महिला सविता धुर्वे का शव रक्तरंजित अवस्था मे मिला था।जहा महिला की गर्दन कटी हुई थी।

बताया गया कि सविता पति जगानंद धुर्वे (35), चार बच्चों की मां थी। जिसके पति का निधन हो चुका है, वह अपनी बेटियो के साथ रहती थी। गुरूवार की रात सविता, घर पर नहीं थी। शुक्रवार को बेटियां, अपने निर्माणाधीन मकान में पहुंची तो देखा कि मां सविता धुर्वे का शव खून से सनी हालत में पड़ा था।घटना के बाद महिला का सबसे पहले शव, उसकी बेटियो ने देखा।शव में महिला की गर्दन लटकी हुई थी और शरीर, चित्त हालत में पड़ा था।जिसके बाद आसपास के लोगो को उन्होंने जानकारी दी।उधर सूचना मिलने के बाद बैहर पुलिस और बालाघाट से पहुंची एफएसएल टीम ने घटनास्थल की जांच की थी।पुलिस ने महिला का शव बरामद करके मामले में हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।हालांकि अब तक हत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है।

आरोपी के बेहद करीब पहुची पुलिस

हालांकि इस मामले को लेकर पुलिस ने आरोपी को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन सूत्र बताते हैं कि पुलिस, इस हत्याकांड से जुड़े आरोपी के बेहद करीब पहुंच चुकी है।उधर घटना को लेकर पुलिस का दावा है कि वह आरोपी के करीब है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।हालांकि महिला की हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने पुलिस जांच कर रही है।

कल तक पुलिस मामले का खुलासा कर देगी- मर्सकोले

हालांकि घटना के दूसरे दिन भी पुलिस जांच की बात कह रही है, इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि पुलिस हत्या की वजह और आरोपी के करीब पहुंच गई है, मामले की जांच जारी है। सम्भवत: कल तक पुलिस मामले का खुलासा कर देगी।

सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में फ्लिपकार्ट, नागपुर महाराष्ट्र के लिए ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में दिनांक 13/06/2026 दिन शनिवार को जॉब-सही (सतपुड़ा ग्रुप) के माध्यम से ओपन कैंपस का आयोजन किया गया, जिसमें नागपुर की सुप्रसिध्द एवं प्रतिष्ठित कंपनी फ्लिपकार्ट के लिए एच आर ऑफिसर श्री राकेश यादव सर एवं श्री राकेश लक्कावर्ती सर द्वारा भर्ती ली गई जिसमें पॉलिटेक्निक,

आईटीआई बी.एस.सी/बी.कॉम/बीए, 10वी, 12वी कर चुके छात्र-छात्राएं जो बालाघाट जिले म.प्र. के अन्य शहरों एवं अन्य राज्यों से लगभग 110 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से 70 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। संस्था के प्राचार्य, प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस/रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र-छात्राएं हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क/दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध की जाती रहेगी।

एमआईएम के सम्भाग प्रभारी जावेद खान का हुआ नगर आगमन

नपा चुनाव को लेकर बनाई रणनीति,जिलाध्यक्ष के हाथो में सौपी सदस्यता अभियान की कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शनिवार को एमआईएम के सम्भाग प्रभारी जावेद खान के नगर आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक बैठक लेकर पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा की, वही आगामी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया।बैठक में सम्भाग प्रभारी जावेद खान ने कहा कि पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए सदस्यता अभियान को व्यापक रूप से चलाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-

घर संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है और एमआईएम जिले में अपने संगठनात्मक ढांचे को और सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सैय्यद लियाकत अली को सदस्यता अभियान का प्रभारी नियुक्त किया गया। उन्हें जिलेभर में सदस्यता अभियान का संचालन करने तथा नई टीमों के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई।वही जिला अध्यक्ष सैय्यद लियाकत अली ने कहा कि पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान के तहत कार्यकर्ता घर घर पहुंचकर लोगों को पार्टी की विचारधारा से अवगत कराएंगे, नए सदस्यों को जोड़ने का कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि अभियान के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ेंगे और संगठन को नई मजबूती मिलेगी। बैठक में आगामी नगर पालिका चुनाव को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने चुनावी तैयारियों, जनसंपर्क अभियान, बूथ प्रबंधन तथा स्थानीय मुद्दों को लेकर रणनीति बनाई। नेताओं ने कहा कि पार्टी आगामी चुनाव में मजबूती के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है और इसके लिए अभी से संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा रही है।

नगर पालिका चुनाव में उतारेंगे प्रत्याशी

संभाग प्रभारी जावेद खान ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली के आदेश पर आज बालाघाट जिले में सदस्यता अभियान का प्रभारी, जिला अध्यक्ष लियाकत अली को नियुक्त किया गया है आज उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया है एमआईएम पूरे प्रदेश में काम कर रही है लगातार संगठन का विस्तार किया जा रहा है बालाघाट में भी हम लोग आगामी चुनाव में अपनी ताल ठोकेंगे इसके लिए जल्द से जल्द एमआईएम का विस्तार किया जाएगा, उसी को लेकर आज हमने चर्चा की है। वही पार्टी जिला अध्यक्ष सैय्याद लियाकत अली ने बताया कि मुझे आज सदस्यता प्रभारी भी नियुक्त किया गया है पार्टी के सभी कार्यकर्ता जमीन पर उतरकर काम करेंगे, अधिक से अधिक संख्या में सदस्य जोड़े जाएंगे, हमारा फोकस, आगामी समय में होने वाले नगर पालिका चुनाव पर है, जिसे ध्यान में रखते हुए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान के नेतृत्व में आवाम को जगाने का काम किया जा रहा है सभी समाज के लोग पार्टी से लगातार जुड़ रहे हैं,उन्होंने बताया कि हीरापुर में हुए हिना हत्याकांड में किसी भी लीडर ने आवाज नहीं उठाई ,नगर में 2-2 विधानसभा और लोकसभा में भेजी गई महिलाएं होने के बावजूद भी मजलूम के परिजनों को इंसाफ दिलाने के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया, इसीलिए अब हमें अपना लीडर तय करना है ताकि हमारे मसलों को हल किया जा सके। सबसे पहले हमारा फोकस नगर पालिका चुनाव है पार्टी इसमें अपने उम्मीदवार उतारेगी।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नवाब शेख, अनवर खान,अब्दुल सरीफ शेख,आकिब खान, समीर खान, फरहान खान, तौसीफ खान.,अबरार खान,और. राजा खान. सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

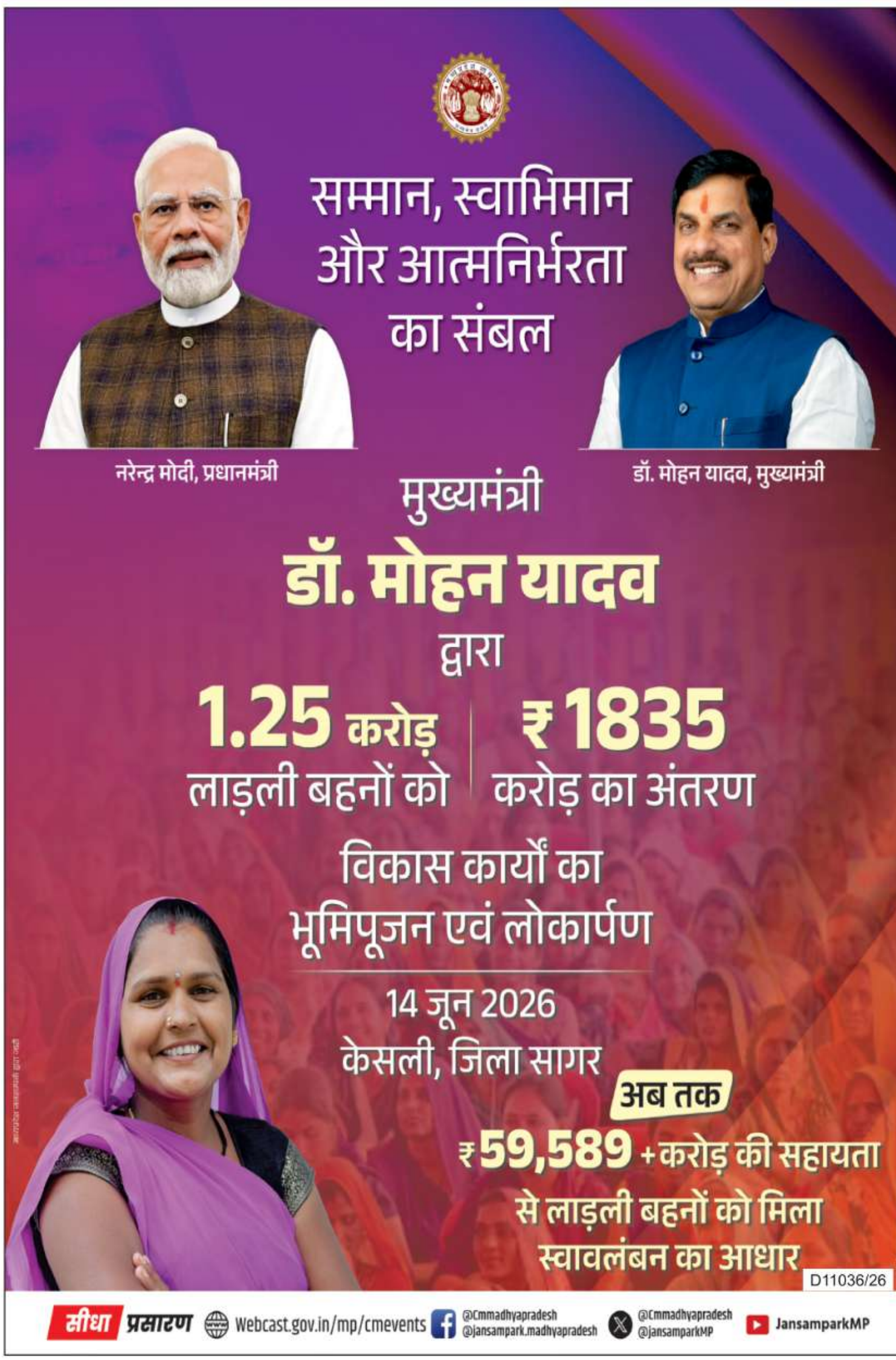

नाली निर्माण को लेकर भड़के वार्डवासी, बीच सड़क से जल निकासी का किया विरोध

बरसात से पहले बढ़ी चिंता, निर्माणाधीन पुलिया के विरोध में उतरे रहवासी, बोले गलत लेवल से बनेगी जलभराव की स्थिति

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक-2 में भटेरा ओवरब्रिज निर्माण से जुड़े जल निकासी कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया। निर्माण एजेंसी द्वारा सेंट्रल बैंक के पास सड़क को काटकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने का वार्डवासियों ने विरोध करते हुए कार्य रुकवा दिया। भटेरा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कर रही एजेंसी द्वारा बारिश के पानी की निकासी के लिए सड़क के बीच हिस्से को काटकर पाइप एवं पुलिया निर्माण का कार्य किया जा रहा था। जैसे ही वार्डवासियों को इसकी जानकारी लगी, बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और निर्माण कार्य पर आपत्ति जताई। स्थानीय रहवासियों का कहना था कि पानी निकासी की व्यवस्था सड़क के दोनों किनारों से सीधे नालियों के माध्यम से की जानी चाहिए। उनका आरोप था कि सड़क को काटकर बनाई जा रही वर्तमान व्यवस्था तकनीकी रूप से उचित नहीं है और इससे बरसात के दौरान पानी का बहाव विपरीत दिशा में हो सकता है। ऐसी स्थिति में वार्ड के कई घरों और गलियों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज को लेकर अब स्थानीय रहवासियों की चिंताएं बढ़ने लगी हैं। एक ओर जहां वर्षों से बहुप्रतीक्षित ओवरब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, वहीं दूसरी ओर वार्डवासियों ने जल निकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा बरसाती पानी की निकासी के लिए जो व्यवस्था बनाई जा रही है, वह तकनीकी रूप से उचित नहीं है और यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो आगामी बारिश में कई घरों में पानी घुसने की स्थिति निर्मित हो सकती है। जानकारी के अनुसार भटेरा चौकी की ओर से ओवरब्रिज निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी दौरान वार्डों से निकलने वाले दूषित और बरसाती पानी की निकासी के लिए सेंट्रल बैंक के समीप सड़क को काटकर पाइप और पुलिया निर्माण का कार्य किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी का दावा है कि इससे एक ओर का पानी दूसरी ओर आसानी से निकल सकेगा, लेकिन स्थानीय नागरिक इस व्यवस्था को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। 13 जून को वार्डवासियों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और निर्माण कार्य में तकनीकी खामियों का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बारिश शुरू होने में अब अधिक समय नहीं बचा है और यदि पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हुई तो पूरे क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। स्थानीय निवासी बी.आर. भैरम का कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क को काटकर पुलिया बनाई जा रही है, लेकिन दोनों ओर का लेवल सही ढंग से नहीं मिलाया गया है। ऐसे में पानी स्वाभाविक दिशा में बहने के बजाय विपरीत दिशा में जाने लगेगा, जिससे आसपास के घरों में पानी घुसने की आशंका बढ़ जाएगी। उन्होंने मांग की कि दोनों ओर की नालियों का तकनीकी परीक्षण कर उचित लेवल के साथ जल निकासी की व्यवस्था की जाए। वहीं रहवासी मनोहर मराठा ने बताया कि वार्ड का पानी पहले से बनी नालियों के माध्यम से निकलता है, लेकिन वर्तमान में जिस तरीके से सड़क पार कर पानी की निकासी की व्यवस्था बनाई जा रही है, उससे जल प्रवाह प्रभावित होगा। उन्होंने आशंका जताई कि बरसात के दौरान इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ सकता है और लोगों के घरों में पानी भरने की स्थिति बन सकती है।

सही लेवल लेकर नाला निर्माण करना था - योगराज लिल्हारे

वार्ड पार्षद योगराज लिल्हारे ने भी निर्माण कार्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में पहले से दोनों ओर नालियां मौजूद हैं और पानी की सीधी निकासी की व्यवस्था की जा सकती थी। लेकिन सड़क को काटकर नई निकासी व्यवस्था तैयार की जा रही है, जो भविष्य में परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि यदि बरसात के दौरान यह व्यवस्था जल निकासी में बाधा बनती है और लोगों को नुकसान पहुंचाती है तो वार्डवासी इसके खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। पार्षद ने आरोप लगाया कि निर्माण एजेंसी और तकनीकी अमला स्थानीय परिस्थितियों तथा नागरिकों की आशंकाओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। यदि शुरुआत में ही दोनों ओर का सही लेवल लेकर सही तरीके से नाला निर्माण किया जाता तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में पुलिस की बड़ी पहल, पीएमएस सिस्टम बना सुरक्षा का नया प्रहरी

प्रभारी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया पेट्रोलिंग मॉनीटरिंग सिस्टम, मंत्री बोले प्रदेश के अन्य जिलों में भी अपनाया जाए यह मॉडल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आधुनिक तकनीक के दौर में पुलिस व्यवस्था भी तेजी से डिजिटल होती जा रही है। इसी दिशा में बालाघाट पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पेट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस) को लागू किया है, जिसने जिले में गश्त, निगरानी और अपराध नियंत्रण की व्यवस्था को पूरी तरह से नई दिशा दी है। पारंपरिक वायरलेस संचार और कागजी रिकॉर्ड पर आधारित व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए अब पुलिस की गतिविधियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मॉनिटर किया जा रहा है। जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के समक्ष 13 जून को पीएमएस का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रणाली किस प्रकार पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। प्रस्तुतीकरण के बाद प्रभारी मंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था अपराध नियंत्रण, अपराधियों की निगरानी और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने में बेहद उपयोगी साबित होगी। पहले जिले में रात्रिकालीन गश्त, वाहन चेकिंग, होटल एवं लॉज निरीक्षण तथा संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी जैसी गतिविधियां मुख्य रूप से वायरलेस संदेशों और कागजी रजिस्टरों के माध्यम से संचालित होती थीं। इससे गश्ती दलों की वास्तविक स्थिति जानने और गतिविधियों की निगरानी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन पीएमएस लागू होने के बाद जिले के संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशन, होटल, लॉज और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को डिजिटल रूप से चिन्हित किया गया है। गश्ती दल अब इन स्थानों पर पहुंचकर ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं, जिससे प्रत्येक गतिविधि का डिजिटल रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध हो जाता है। इस प्रणाली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता लाइव लोकेशन ट्रैकिंग है। इसके माध्यम से वरिष्ठ अधिकारी किसी भी समय गश्ती दलों की लोकेशन, उनके रूट कवरेज और गतिविधियों की निगरानी कर सकते हैं। किसी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर निकटतम पुलिस दल को तुरंत मौके पर भेजा जा सकता है। इससे प्रतिक्रिया समय में कमी आई है और पुलिस की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बालाघाट पुलिस ने पीएमएस को केवल गश्त तक सीमित नहीं रखा है। इसके माध्यम से जेल से रिहा हुए व्यक्तियों की निगरानी, रात्रिकालीन संदिग्ध व्यक्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड, होटल एवं लॉज चेकिंग तथा वीआईपी कार्यक्रमों में तैनात पुलिस बल की लाइव मॉनिटरिंग भी की जा रही है। प्रतिदिन लगभग 70 से 80 व्यक्तियों की जानकारी इस प्रणाली में दर्ज की जा रही है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और विश्लेषण पहले की अपेक्षा कहीं अधिक प्रभावी हो गया है। पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न थानों में क्यूआर कोड फीडबैक सिस्टम भी शुरू किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिक पुलिस सहायता, शिकायतों के निराकरण, थाना स्टाफ के व्यवहार और पुलिस कार्रवाई को लेकर सीधे अपना फीडबैक दे सकते हैं। इससे पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है तथा आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पीएमएस के सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं। रात्रिकालीन गश्त अधिक प्रभावी हुई है, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ी है और अपराधियों की गतिविधियों पर बेहतर निगरानी संभव हो सकी है। डिजिटल रिकॉर्ड और लाइव मॉनिटरिंग के कारण पुलिसिंग अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बन रही है। बालाघाट पुलिस की यह पहल आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग का एक सफल मॉडल बनकर उभरी है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले समय में ऐसी डिजिटल व्यवस्थाएं पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएंगी तथा आम नागरिकों की सुरक्षा और विश्वास को नई मजबूती प्रदान करेंगी। इस प्रस्तुतीकरण की स्वयं प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सराहना की। उन्होंने कहा कि बालाघाट पुलिस द्वारा विकसित यह सिस्टम स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक अभिनव पहल है। भविष्य में इस मॉडल को प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जा सकता है। बालाघाट का यह पेट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत होगा।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वांगवाले द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला का उत्साहपूर्ण वातावरण में सफल समापन हुआ। 2 जून से 12 जून तक आयोजित इस कार्यशाला में 6 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यशाला के दौरान बच्चों को अभिनय, आवाज़ एवं उच्चारण, शारीरिक अभिव्यक्ति, समूह कार्य, कल्पना शक्ति विकास, मंच अनुशासन तथा विभिन्न रंगमंचीय खेलों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों ने आत्मविश्वास, संवाद कौशल और रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास किया।समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने कार्यशाला में सीखी गई तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए नाट्य गतिविधियों और प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। बच्चों ने अपने अभिनय, शारीरिक अभिव्यक्ति और टीमवर्क से उपस्थित अभिभावकों एवं दर्शकों को प्रभावित किया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रमाणपत्र वितरण स्वांगवाले की संयोजिका सुप्रिया कावड़े, वरिष्ठ रंगकर्मी दीपक भट्ट एवं लक्की खांडेकर के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर अभिभावकों ने बच्चों में आए सकारात्मक बदलावों तथा उनके बढ़े हुए आत्मविश्वास की सराहना की।कार्यशाला का संचालन एवं निर्देशन रंगकर्मी धनेंद्र कावड़े द्वारा किया गया।उन्होंने कहा कि रंगमंच बच्चों के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है,जो उन्हें संवेदनशील, आत्मविश्वासी और रचनात्मक बनने में सहायता करता है। कार्यशाला के सफल आयोजन में संयोजिका सुप्रिया कावड़े का विशेष योगदान रहा।स्वांगवाले भविष्य में भी बच्चों और युवाओं के लिए ऐसी रचनात्मक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि प्रेम नगर कालोनी बालाघाट, जिला बालाघाट स्थित भवन क्र. एल.आई.जी 70 श्री राधेश्याम नंदुरकर पिता स्व. तुकाराम नंदुरकर को इस कार्यालय के आदेश क्रं. 8668 दिनांक 16/07/1982 के द्वारा आबंटित है, स्व. राधेश्याम नंदुरकर की मृत्यु दिनांक 30/11/2023 को हो गयी है, मूल आबंटी का वैध वारिस श्री मनोज कुमार नंदुरकार द्वारा उक्त भवन अपने नाम नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त भवन के नामांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

संपदा अधिकरी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मंडल संभाग- बालाघाट

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दीपेन्द्र व शैलेन्द्र देशमुख पिता घुडनलाल देशमुख निवासी खमरिया तह. कंटगी जिला बालाघाट की ग्राम खमरिया रा.नि.म. कंटगी तहसील कंटगी जिला बालाघाट मे ख.न. 345, 346 व 425 रकबा कमशः 0.405, 0.202 व 1.113 हैक्टेयर भूमि है, जो मेरे पक्षकारगण दीपेन्द्र व शैलेन्द्र देशमुख के नाम से राजस्व अभिलेखो मे कई वर्षों से दर्ज चले आ रही थी, जिसे पमेन्द्र देशमुख ने मेरे पक्षकारगणो को बिना बताये व सूचित किये उक्त भूमि को अपने नाम पर करने के लिये एसडीएम कंटगी जिला बालाघाट के न्यायलय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया तथा न्यायलय एसडीएम कंटगी द्वारा दिनांक 06/11/2025 को प्रकरण का निराकरण करते हुए आवेदक पमेन्द्र का नाम उक्त भूमियो पर दर्ज किये जाने के पक्षकारगणो को बिना बताये व सूचित किये बिना सुवाई का अवसर दिये एकपक्षीय आदेश मनमानी पारित कर दिया गया है, जिसके विरूद्ध मेरे पक्षकारगणो के द्वारा माननीय अपर कलेक्टर बालाघाट के न्यायलय मे अपील प्रस्तुत कर दी गयी है, जो लम्बित है तथा जिसकी आगामी पेशी तिथि दिनांक 19/06/2026 को नियत है। चूंकि उक्त भूमि विवादित है तथा मेरे पक्षकारगणो को ज्ञात हुआ है कि न्यायलय मे लंबित इन विवादित भूमि को पमेन्द्र देशमुख के द्वारा विकय करने का प्रयास किया रहा है, जो कि अवैध है। अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगणो के स्वामित्व व कब्जे की मौजा खमरिया रा.नि.म. कंटगी तहसील कंटगी जिला बालाघाट मे स्थित ख.न. 345, 346 व 425 रकबा कमशः 0.405, 0.202 व 1.113 हैक्टेयर भूमि के सम्बंध मे किसी भी प्रकार की कोई सौदेबाजी न करे, अन्यथा सौदेशुदा भूमियो की आर्थिक नुकसानी उन्हे उठानी पडेगी साथ ही मेरे पक्षकारगण ऐसे सभी व्यक्तियो के विरूद्ध न्यायलीन कार्यवाही मे उन्हे भी सम्मिलित करेगे, जिसके लिये भी वे स्यंम जिम्मेदार होगे।

प्रेषक
महेन्द्र देशमुख अधिवक्ता
बालाघाट(म.प्र.)

आम सूचना

मै अपनी पक्षकार यूनियन बैंक शाखा वारासिवनी द्वारा प्रबंधक, श्री श्रवण कुमार पातरे की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक ने मेसर्स बाबा मिनलर्स एवं ट्रेडर्स प्रो. श्री विरेन्द्र कुमार पिता श्री टोलनसिंह को साख सीमा ऋण प्रदाय किया है जिसमें श्री विरेन्द्र कुमार के द्वारा अपने एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम सावगी, प.ह.नं. 18/25, रा.नि.मं. व तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 525 रकबा 0.162 हे. परिवर्तित भूमि को मेरी पक्षकार बैंक में बंधक रखा है और इस भूमि को विरेन्द्र कुमार ने श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल पिता बाबूलाल खण्डेलवाल से दिनाँक 10.10.2013 को क्रय कर प्राप्त किये तथा इस भूमि को विक्रेता श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल पिता बाबूलाल खण्डेलवाल के द्वारा पूर्व विक्रेता श्री असीम मिश्रा पिता माहेश्वरी मिश्रा से दिनांक 18/05/2011 को क्रय कर प्राप्त किये थे जिसका ग्रंथ क्रमांक 6653, दस्तावेज क्रमांक 332 व पेज नंबर 25 से 29 है तथा इसी तरह भूमि को असीम मिश्रा ने विक्रेता चैन सिंह पिता श्री श्यामलाल धुर्वे व श्रीमती बतोली बाई पति श्री श्यामलाल धुर्वे जाति गोंड से दिनाँक 02/12/2010 को क्रय कर प्राप्त किये और जिसका ग्रंथ क्रमांक 6548, दस्तावेज क्रमांक 1736 व पेज नंबर 01 से 08 है किंतु इस भूमि का पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 18.05.2011 व 02.02.2010 असल विक्रय पत्र उपलब्ध नही हो सका है और ना ही श्री विरेन्द्र कुमार के द्वारा मेरी पक्षकार बैंक को उपलब्ध नही कराया गया है इस कारण यह सूचना दी जा रही है ।

अतः इस भूमि व पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 18.05.2011 व 02.02.2010 के संबंध में किसी भी बैंक, संस्था या व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल, अधिवक्ता
अधिवक्ता, वारासिवनी

आम सूचना

मै अपने पक्षकार श्रीमती रोशनी उइके पति श्री जितेन्द्र उइके जाति गोंड निवासी ग्राम करियादंड की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार के द्वारा श्रीमती शालीनी उर्फ दुर्गा घोरमारे पति श्री अरविंद कुमार घोरमारे जाति माना निवासी वार्ड नं. 11, बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट के एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम बुडी, प.ह.नं. 13/1-57, रा.नि.मं. बालाघाट-2 तहसील व जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 124/13/2 रकबा 0.017 हे. परिवर्तित भूमि को कुल राशि 29,33,500/- में क्रय किये जाने का सौदा किया गया है और इस सौदा राशि में से 1,00,000/- ब्याने में अदा किये जा चुके है तथा इस भूमि को श्रीमती शालीनी उर्फ दुर्गा घोरमारे ने विक्रेता श्रीमती कमलाबाई पति श्री प्रकाशचंद श्रीवास्वत से दिनांक 09.02.2007 को क्रय किया है और इस विक्रय पत्र में क्रेता के रूप में श्रीमती शालीनी घोरमारे लिखा गया है और अन्य दस्तावेज दुर्गा घोरमारे मे नाम से होने के कारण श्रीमती शालीनी के द्वारा राजस्व अभिलेखों में अपना नाम श्रीमती शालीनी उर्फ दुर्गा घोरमारे दर्ज कराया गया है जो कि एक ही महिला के दो नाम है जो राजस्व अभिलेखो में दर्ज होने के कारण यह सूचना दी जा रही है ।

अतः श्रीमती शालीनी उर्फ दुर्गा घोरमारे पति श्री अरविंद घोरमारे जाति माना निवासी वार्ड नं. 11, बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट के नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति बैंक, संस्था को कोई आपत्ति हो या इस नाम के कोई व्यक्ति अपना हक व अधिकार रखता हो तो वह 7 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल, अधिवक्ता
अधिवक्ता, वारासिवनी

आम सूचना

मै अपनी पक्षकार यूनियन बैंक शाखा वारासिवनी द्वारा प्रबंधक, श्री श्रवण कुमार पातरे की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक ने श्रीमती कंचना चंद्रवंशी पति श्री जुगलकिशोर चंद्रवंशी को ऋणी प्रदाय किया गया है जिसमें श्रीमती कंचना चंद्रवंशी के द्वारा अपने एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम वारा, प.ह.नं. 26/1 रा.नि.मं. व तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नं. 293/18 रकबा 0.007 हे. परिवर्तित भूमि व इस पर स्थित मकान को बंधक रखा है और इस भूमि को श्रीमती कंचना चंद्रवंशी ने विक्रेता श्री प्रमोद पिता रामस्वरूप तिवारी से दिनाँक 21.06.2022 को क्रय कर प्राप्त की तथा इस भूमि को विक्रेता श्री प्रमोद पिता रामस्वरूप तिवारी के द्वारा पूर्व विक्रेता श्री ईश्वरदयाल सोनी पिता जगन्नाथ सोनी से दिनांक 27.02.2009 को क्रय कर प्राप्त किये थे जिसका ग्रंथ क्रमांक 6283, पृष्ठ क्रमांक 13 से 18 तथा दस्तावेज क्रमांक 2282 है किंतु इस भूमि का पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 27.02.2009 असल असल विक्रय पत्र उपलब्ध नही हो सका है और ना ही श्रीमती कंचना चंद्रवंशी के द्वारा मेरी पक्षकार बैंक को उपलब्ध नही कराया गया है इस कारण यह सूचना दी जा रही है ।

अतः इस भूमि व पूर्वाध्द विक्रय पत्र दिनांक 27.02.2009 के संबंध में किसी भी बैंक, संस्था या व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल, अधिवक्ता
अधिवक्ता, वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

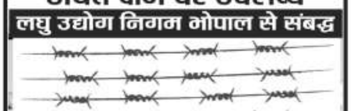

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

दुर्घटना को दावत दे रही मजार के पास की क्षतिग्रस्त पुलिया और टूटी रेलिंग, बड़े हादसे के इंतजार में प्रशासन

अंधे मोड़ पर स्थित पुलिया के कॉलम हुए जर्जर, ओवरलोड वाहनों के दबाव से कभी भी ढह सकता है ढांचा, निर्माण की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के अत्यंत व्यस्ततम बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित मजार के समीप बनी पुलिया इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए काल का ग्रास साबित हो रही है। लंबे समय से उपेक्षा का शिकार यह पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से लगाई गई लोहे की रेलिंग भी टूटकर गायब है। इस बदहाली के कारण यहाँ किसी भी समय कोई बड़ी और दर्दनाक दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी हुई है। साथ ही इस मार्ग पर आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार सड़क विकास विभाग के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। वही लंबे समय से क्षेत्रीय जनता द्वारा क्षतिग्रस्त पुलिया एवं रेलिंग के मरम्मत की मांग कर रहे हैं परंतु शासन-प्रशासन के इस उदासीन रवैये के चलते कोई काम नहीं हो पाया हैं जिससे अब स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

रोजाना गुजरते हैं सैकड़ों ओवरलोड वाहन, धसकने की कगार पर कमजोर हिस्सा

आपको बता दे कि बालाघाट-सिवनी मार्ग जिला मुख्यालयों को जोड़ने वाला एक प्रमुख और व्यस्त हाईवे है। इस मार्ग से चौबीसों घंटे सैकड़ों की संख्या में भारी और ओवरलोड वाहन, गिट्टी-रेत के डंपर, चौपहिया और दुपहिया वाहन गुजरते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि अत्यधिक दबाव के कारण मजार के समीप स्थित पुलिया का एक हिस्सा पूरी तरह कमजोर होकर धसकने की कगार पर पहुंच गया है। वही जब हाईवे से एक साथ दो बड़े और भारी वाहन आमने-सामने से गुजरते हैं, तो सड़क पर जगह बेहद कम बचती है। ऐसी स्थिति में यदि कोई दुपहिया या साइकिल चालक बाजू से निकलने का प्रयास करता है, तो वह अनियंत्रित होकर सीधे पुलिया के नीचे बने करीब 8 से 10 फीट गहरे गड्ढे में गिर सकता है। पूर्व में भी दुर्घटनाए घटित हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदारो के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त हैं। वहीं सिवनी मार्ग मजार के समीप स्थित इस पुलिया के साथ सबसे बड़ी तकनीकी खामी यह है कि यह ठीक एक अंधे मोड़ (मोड़ाई) पर स्थित है। दूर से तेज गति से आने वाले वाहनों को सामने से पुलिया या अन्य वाहन की स्थिति का सही अंदाजा नहीं मिल पाता। अचानक मोड़ पर आने के बाद जब वाहन चालक को क्षतिग्रस्त हिस्सा दिखाई देता है, तो वह हड़बड़ाहट में वाहन पर से नियंत्रण खो बैठता है। यदि रात के समय की बात करें तो यहाँ पर्याप्त रोशनी और संकेतक बोर्ड न होने से खतरा दोगुना हो जाता है।

नाले के तेज बहाव से बढ़ा खतरा

विगत वर्षों पूर्व सड़क विभाग द्वारा इस हाईवे के निर्माण के साथ ही इस नाले पर पुलिया का निर्माण कराया गया था। इस नाले के माध्यम से पनबिहरी, औल्याकन्हार सहित लालबर्रा नगर के कुछ वार्डों का पानी आगे की ओर निकलता है। पानी के निरंतर बहाव और लंबे समय से मेंटेनेंस (रखरखाव) न होने के कारण पुलिया के आधारभूत खंभे (कॉलम) अब अंदर से खोखले और कमजोर होने लगे हैं। कई स्थानों पर कांक्रीट छोड़ चुका है और सरिया साफ दिखाई दे रहा है, जिससे पुलिया में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। भारी वाहनों के गुजरते समय होने वाले कंपन से यह ढांचा कभी भी ढह सकता है। वही राहगीर एवं स्थानीयजनों का कहना है कि इसी व्यस्ततम मार्ग से रोजाना जिले एवं विकासखंड लालबर्रा के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस प्रशासन के आला अफसर, विभागीय इंजीनियर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी अपने वीआईपी वाहनों और हूटर बजाते काफिलों के साथ आना-जाना करते हैं। इसके बावजूद मजार के पास कि यह जर्जर पुलिया और मौत का कुआं बनी बिना रेलिंग की सड़क उन्हें दिखाई नहीं देती। जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशासन किसी बहुत बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है, ताकि फाइलें आगे बढ़ाई जा सकें। राहगीर एवं स्थानीयजनों ने पुलिया के जर्जर हो चुके कॉलम और कमजोर हिस्सों का तत्काल तकनीकी रूप से मरम्मत कार्य करने, पुलिया के दोनों छोरों पर जल्द लोहे या कांक्रीट की मजबूत सुरक्षा रेलिंग लगाये जाने, दोनों ओर दुर्घटना संभावित क्षेत्र और गति धीमी करें के रेडियम वाले संकेतक बोर्ड (साइन बोर्ड) लगाये जाने की मांग की हैं।

शासन प्रशासन को जनता की सुरक्षा से नहीं है कोई सरोकार - राहुल

स्थानीय नागरिक राहुल अवधिया ने बताया कि पुल की रेलिंग टूटे लंबा समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। प्रशासन को आम जनता की सुविधाओं और उनकी सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार कर केवल उन कामों को तवज्जो दी जाती है, जहाँ भ्रष्टाचार की गुंजाइश हो। साथ ही यह भी कहा कि इस मार्ग से जिम्मेदार अधिकारी-जनप्रतिनिधि भी आना-जाना करते है उसके बाद भी इस क्षतिग्रस्त पुलिया व रेलिंग की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जबकि प्रशासन को पुल के दोनों किनारों पर सुरक्षा के लिहाज से मजबूत जालियाँ या रेलिंग तुरंत लगानी चाहिए, जिससे दुर्घटना पर अंकुश लग सके और लोग सुरक्षित इस मार्ग से आवागमन कर सके।

संबंधित अधिकारियों को समस्या से करवा दिया गया है अवगत - अनीस

सरपंच अनीस खान ने बताया कि मजार के पास बनी पुलिया की रेलिंग काफी समय से टूटी हुई है और यह सड़क बीओटी के अंतर्गत आती है। पिछले वर्ष भी इस समस्या को लेकर हमारे द्वारा संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया गया था, परंतु अब तक उनके द्वारा किसी तरह का कोई मरम्मत कार्य नहीं किया गया है, जबकि संबंधित विभाग को इस पर गंभीरता से ध्यान देकर पुलिया व रेलिंग का सुधार कार्य करवाना चाहिए और सुरक्षा के मद्देनजर पुलिया पर लोहे के पाइप या जाली के साथ नई रेलिंग लगानी चाहिए। श्री खान ने बताया कि कुछ वर्ष पहले यहाँ एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी और वर्तमान में भी रेलिंग न होने के कारण हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है, समय में समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। हाल ही में हमारे द्वारा इस नाले की सफाई भी कराई गई है और अधिकारियों को सुरक्षा की दृष्टि से यहाँ तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है।

चिल्लौद में डीएसआर पद्धति से 8.75 एकड़ में हुई धान की बुवाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले में धान उत्पादन को अधिक वैज्ञानिक एवं संसाधन-संरक्षण आधारित बनाने की दिशा में किसानों द्वारा डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) पद्धति को अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में लालबर्रा विकासखंड के ग्राम चिल्लौद में गत दिवस 12 जून को किसानों ने सुपर सीडर मशीन के माध्यम से प्रत्यक्ष डीएसआर तकनीक से धान की बुवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चिल्लौद के कृषकों द्वारा कुल 8.75 एकड़ क्षेत्र में डीएसआर पद्धति से धान की बोनी की गई है। इसमें किसान सुनील ठाकरे ने 3.00 एकड़, जगलाल मात्रे ने 3.00 एकड़, अमृतलाल बोपचे ने 1.50 एकड़ तथा गणेश पटले ने 1.25 एकड़ क्षेत्र में धान की बुवाई की है। आपको बता दें कि डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) धान उत्पादन की आधुनिक तकनीक है, जिसमें खेत में सीधे बीज की बुवाई की जाती है। इस पद्धति से श्रम एवं सिंचाई जल की बचत होती है, उत्पादन लागत कम आती है तथा समय पर फसल प्रबंधन संभव हो पाता है। इसके साथ ही किसानों को धान की रोपाई में लगने वाले अतिरिक्त श्रम और समय से भी राहत मिलती है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को डीएसआर तकनीक अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विभाग को उम्मीद है कि इस तकनीक के बेहतर परिणाम मिलने पर जिले के अन्य किसान भी इसे अपनाने के लिए आगे आएंगे।

अमोली-समनापुर मार्ग पर बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का कार्य शुरू

आवागमन में होती थी समसस्या, राहगीरों को मिलेगी यातायात बाधा से निजात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से अमोली-समनापुर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग के निर्माण में लंबे समय से रोड़ा बने बिजली के खंभों को हटाने का काम आखिरकार शुरू हो गया है। प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर किए जा रहे इस कार्य से स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने बड़ी राहत की सांस ली है। बिजली के खंभों की शिफ्टिंग और नई वायरिंग का काम पूरा होते ही इस मार्ग पर सफर अब बेहद सुगम और सुरक्षित हो जाएगा। आपको बता दें कि अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पिछले कुछ समय से अधूरा पड़ा हुआ था। सड़क चौड़ीकरण के बाद भी बिजली के ऊंचे-ऊंचे खंभे सड़क के बीचों-बीच या बिल्कुल किनारे पर आ गए थे। इसके कारण न सिर्फ सड़क का बाकी बचा निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था, बल्कि भारी वाहनों के सुचारू संचालन में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, राहगीरों और क्षेत्र के जागरूक नागरिकों द्वारा कई बार आवाज उठाई गई थी। प्रशासन और विद्युत विभाग को अनेक बार ज्ञापन सौंपकर इन खंभों को जल्द से जल्द शिफ्ट करने की मांग की जा रही थी। सड़क के बीच खड़े ये खंभे आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे थे। जनता की इस जायज और बेहद जरूरी मांग को संज्ञान में लेते हुए आखिरकार प्रशासन ने इस समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए। वर्तमान में विभागीय कर्मचारियों द्वारा मार्ग पर लगे बिजली के खंभों की शिफ्टिंग और तारों (वायरिंग) को व्यवस्थित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जो शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके बाद सड़क निर्माण के अंतिम चरण को भी गति मिलेगी। स्थानीयजनों का कहना है कि बिजली के खंभों के कारण यह मार्ग संकीर्ण हो गया था, जिससे विशेषकर रात के समय वाहन चालकों को भारी परेशानी होती थी। अब खंभों के हटने से यातायात में आ रहा व्यवधान पूरी तरह समाप्त हो जाएगा और क्षेत्रवासियों को एक बेहतर और सुरक्षित सड़क मार्ग की सौगात मिलेगी।

मजदूर की बेटी भारती ऊईके मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक पद पर हुई चयनित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से लगातार ऐसी होनहार प्रतिभाएं निकलकर सामने आ रही हैं, जो कड़े संघर्ष और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने माता-पिता सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर रही हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण उदाहरण जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बोरी से सामने आया है। जहां के एक अत्यंत साधारण मजदूर परिवार की होनहार सुपुत्री सुश्री भारती ऊईके का चयन मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में आरक्षक (जीडी) के पद पर हुआ है और इन्हे कार्यालय पुलिस अधीक्षक जबलपुर द्वारा इस संबंध में आधिकारिक नियुक्ति आदेश भी जारी कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोरी निवासी देवन सिंह ऊईके जो पेशे से एक साधारण मजदूर हैं, उनकी सुपुत्री भारती ऊईके ने अपनी इस सफलता से साबित कर दिया है कि यदि मन में दृढ़ संकल्प और स'ची लगन हो, तो गरीबी और विपरीत परिस्थितियाँ भी लक्ष्य के आड़े नहीं आ सकतीं। सुश्री भारती अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंध रखती हैं, जिन्होंने कठिन परिश्रम से यह सफलता प्राप्त की है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता का समाचार मिलते ही उनके मित्रगणों, रिश्तेदारों एवं समस्त ग्रामीणों में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई है। बधाई देने वालों का उनके निवास पर तांता लगा हुआ है। सुश्री भारती उईके की इस सफलता से ग्राम पंचायत बोरी प्रशासन ने गाँव की इस

गौरवमयी उपलब्धि पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की है और यह निर्णय लिया गया है कि आगामी राष्ट्रीय पर्व कार्यक्रम में गांव की होनहार बेटी भारती ऊईके को उनके माता-पिता के साथ सार्वजनिक मंच पर विशेष रूप से सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा, जिससे गांव के अन्य प्रतिभावान बच्चे को प्रोत्साहन मिल सके। भारती की इस स्वर्णिम सफलता पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा समाजसेवियों ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय पर्व पर भारती का किया जायेगा सम्मान - प्रेमसुंदर

बोरी सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुंदर बारमाटे ने बताया कि ग्राम के मजदूर की बेटी भारती उइके का म. प्र. पुलिस में आरक्षक के पद पर चयन हुआ हैं और सीमित संसाधन में पढाई कर भारती ने यह सफलता प्राप्त की हैं, जिससे परिजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है। श्री बारमाटे ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय पर्व (स्वतंत्रता दिवस) के मुख्य कार्यक्रम में पुलिस विभाग में चयनित हुई बेटी भारती उइके को उनके माता-पिता के साथ विशेष रूप से सम्मानित व पुरस्कृत किया जायेगा, ताकि गाँव के अन्य छात्र-छात्राओं को भी इससे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। एक श्रमिक की बेटी का पुलिस सेवा में जाना पूरे जिले के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

मानपुर में मरार माली समाज की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित सामाजिक भवन निर्माण स्थल में 14 जून को दोपहर 12 बजे से ब्लॉक स्तरीय मरार माली समाज की एक आवश्यक और महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में समाज के उत्थान, नवीन सामुदायिक भवन के निर्माण सहित कई दूरगामी सामाजिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुये मरार माली समाज के ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मात्रे ने बताया कि समाज के हितों की रक्षा और उसके सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर ऐसी बैठकों का आयोजन बेहद जरूरी होता हैं । 14 जून को आयोजित बैठक में नवीन सामुदायिक भवन का निर्माण, समाज के आयोजनों और गतिविधियों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त नये भवन के निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में समाज को आगे ले जाने की रणनीति पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर सामाजिक पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मरार माली समाज ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मात्रे ने की हैं।

बांसी से उमरवाड़ा डामर मार्ग बना हादसों का सफर

जर्जर सड़क और अधूरी मरम्मत से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत आने वाला ग्राम पंचायत बांसी से उमरवाड़ा डामर मार्ग इस समय राहगीरों और ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है। मार्ग की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि यहाँ से गुजरने वाले हर व्यक्ति को दुर्घटना का डर सताता रहता है। सड़क पर जगह जगह छोटे.बड़े गड्ढे हो गए हैं और कई स्थानों पर साइड शोल्डर पूरी तरह से कट चुके हैं। यातायात का भारी दबाव होने के बावजूद जिम्मेदार इस विकट स्थिति से आँखें मूँदे बैठे हैं जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सकरा मार्ग और भारी वाहनों का दबाव उड़ रहे धूल के गुब्बारे

मार्ग की स्थिति को देखकर यह साफ पता चलता है कि कुछ समय पूर्व यहाँ डामर के चट्टे लगाकर मरम्मत का दिखावा तो किया गया। लेकिन यह कार्य महज कुछ ही स्थानों तक सीमित रहा। मार्ग पर स्थित दो पुलियाओं की स्थिति सबसे ज्यादा दयनीय है। निर्माण एजेंसी ने पुलिया को मुख्य सड़क से जोड़ने की बजाय दोनों तरफ सिर्फ गिट्टियां बिछाकर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर ली। नतीजतन वाहन चालकों को पुलिया पार करते समय भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग काफी संकरा है जहाँ दो बड़े वाहनों का एक साथ क्रॉस होना नामुमकिन है। इस व्यस्त मार्ग पर ट्रक, ट्रैक्टर सहित सभी प्रकार के छोटे बड़े वाहनों की चौबीसों घंटे आवाजाही रहती है। स्थिति यह है कि जब भी कोई बड़ा वाहन सामने से आता है तो मोटरसाइकिल चालकों को मजबूरी में सड़क से नीचे उतरना पड़ता है। साइड शोल्डर कटे होने और सड़क किनारे सिर्फ गिट्टियां होने के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और आए दिन चोटिल हो रहे हैं। इसके साथ ही जब भारी वाहन सड़क से नीचे उतरते हैं तो गिट्टियों के घर्षण से धूल के ऐसे गुब्बारे उड़ते हैं कि पीछे चल रहे राहगीरों को सामने का कुछ दिखाई ही नहीं देता जो एक बड़े हादसे को आमंत्रण दे रहा है। विदित हो कि यह मार्ग केवल दो गाँवों तक सीमित नहीं है। यह बांसी से उमरवाड़ा, लालपुर, सिंगोड़ी और रामपायली के लिए निकलता है। वहीं दूसरी ओर बांसी वाला यह मार्ग वारासिवनी से सीधे कटंगी जाने के लिए सबसे सरल और सुगम रास्ता माना जाता है। इसी वजह से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने दैनिक कार्यों और आवागमन के लिए सबसे ज्यादा इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। ग्रामीणों का आरोप हैं की जब पूर्व में यहाँ मरम्मत का कार्य शुरू हुआ था तब उन्होंने निर्माण एजेंसी से पूरे मार्ग पर गुणवत्तायुक्त सुधार कार्य करने की मांग की थी। परंतु जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार की जुगलबंदी के कारण केवल निर्धारित और चुनिंदा स्थानों पर ही खानापूर्ति कर मार्ग को फिर से बेसुध स्थिति में छोड़ दिया गया। साइड शोल्डर को व्यवस्थित करने की सुध किसी ने नहीं ली। आक्रोशित ग्रामीणों और राहगीरों ने जिला प्रशासन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस जनसमस्या को गंभीरता से लिया जायें।

आवागमन में हर समय दिक्कत होती है दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है-देवेंद्र कोच्चे

ग्रामीण देवेंद्र कोच्चे ने बताया कि यह डामर मार्ग तो है परंतु बहुत ज्यादा इस पर समस्या बनी हुई है। आवागमन में हर समय दिक्कत होती है दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है यह मार्ग की स्थिति बहुत समय से ऐसी ही है किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है। पूर्व में मरम्मत हुई ऐसा लग रहा है परंतु सड़क को देखकर मरम्मत पूरी तरह की गयी ऐसा नहीं लग पा रहा। जिम्मेदार लोगों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए ताकि ऐसा आधा अधूरा काम ना हो इस मार्ग पर बहुत ज्यादा यातायात का दबाव बना रहता है। लोग वारासिवनी ,कटंगी या रामपायली के लिए इस मार्ग का उपयोग कर आवागमन करते है। अभी मार्ग पर उड़ रहे धूल के गुब्बारे और कटे साइड शोल्डर से दुर्घटना की बहुत ज्यादा संभावना बनी हुई है।

मार्ग की जर्जर स्थिति से परेशान ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त-रविन्द्र परते

ग्रामीण रविन्द्र परते ने बताया की यह बासी से उमरवाड़ा मार्ग की हालत कुछ स्थानों पर बहुत ज्यादा खराब है। मार्ग पर दो पुलिया है दोनों को डामर सड़क से नहीं जोड़ा गया बहुत ज्यादा गिट्टी डाल दी है जिसकी धूल उड़ती है ,वही वाहन भी स्लिप हो जाते हैं। इस मार्ग पर हर समय यातायात चलता रहता है यह बाईपास के रूप में दूरस्थ ग्राम के लोगों के लिए उपयोग होता है तो वहीं ग्राम के लोग दूसरे ग्रामों में जाने आने के लिए मार्ग का उपयोग करते हैं। दो भारी वाहन यहां पर क्रॉस नहीं हो पाते सकरा मार्ग है। यहां सड़क की बहुत ज्यादा स्थिति खराब है रात के समय पुरे मार्ग पर अंधेरा रहता है उसे समय बहुत ज्यादा दुर्घटनाएं होती है बड़ी मुश्किल से संभलकर लोग आना जाना करते हैं। विभागीय अधिकारी को मार्ग की व्यवस्था सुधारनी चाहिए ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर सके।

सड़क हादसे में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

कार चालक अस्पताल में गलत नंबर दर्ज कराकर हुआ फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में सड़क हादसों के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाला एक मामला सामने आया है। नगर के व्यस्ततम मार्ग जय स्तंभ चौक के समीप एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

दुर्घटना के बाद कार चालक घायल को अस्पताल तो लेकर पहुंचा लेकिन वहां चालाकी दिखाते हुए अपना गलत मोबाइल नंबर दर्ज कराकर रफूचकर हो गया। अब पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोस्ते निवासी ४७ वर्षीय देवी प्रसाद राणा किसी निजी काम से और गमछा खरीदने के लिए अपने दोपहिया वाहन से वारासिवनी नगर आए हुए थे। देर शाम जब वे अपना काम निपटाकर वापस अपने गांव कोस्ते लौट रहे थे तभी जय स्तंभ चौक के पास विपरीत दिशा से आ रही एक अनियंत्रित कार के चालक ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि देवी प्रसाद राणा सड़क पर दूर जा गिरे। इस सड़क दुर्घटना में देवी प्रसाद राणा के सिर हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद को घिरता देख कार चालक ने तत्परता दिखाई और घायल देवी प्रसाद को अपनी कार में बैठाकर सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर पहुंचा जहां उन्हें भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने पर प्राथमिक औपचारिकताएं पूरी करते समय कार चालक ने अस्पताल के रिकॉर्ड में अपना जो मोबाइल नंबर दर्ज कराया वह गलत निकला। प्राथमिक उपचार के बाद जब होश में आने पर घायल देवी प्रसाद अस्पताल पहुंचे उनके परिजनों ने कार चालक से संपर्क करने की कोशिश की तो दिया गया नंबर बंद या गलत बताया गया। चालक की इस धोखाधड़ी के कारण पीड़ित परिवार को भारी मानसिक और व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार चालक की इस करतूत से घायल के परिजनों और कोस्ते ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का कहना है कि एक तरफ आरोपी ने एक्सीडेंट किया और दूसरी तरफ गलत नंबर देकर कानून और इंसानियत दोनों को धोखा दिया है। परिजनों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जय स्तंभ चौक और अस्पताल परिसर के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाएं ताकि आरोपी कार चालक की पहचान कर उसके खिलाफसख्त कानूनी कार्यवाही की जा सके।

रामपायली के बस स्टैंड में लगा गंदगी का अंबार, नाली निकासी का अभाव कीचड़ से पटी

पद्मेश न्यूज। रामपायली/ वारासिवनी। शासन के द्वारा रामपायली को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। नगर के सौंदर्यीकरण और पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्य प्रवेश मार्ग पर लाखों रुपये की लागत से भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण भी कराया गया। किन्तु पहली ही बारिश ने विकास कार्यों की वास्तविकता उजागर कर दी है। प्रवेश द्वार के आसपास जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण वर्षा का पानी सड़क और आसपास के क्षेत्र में जमा हो जाता है। जलभराव के कारण कीचड़, गंदगी और दुर्गंध की स्थिति निर्मित हो रही है, जिससे ना केवल आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बल्कि संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीण किरण सिंह बैस ने बताया कि जिस स्थान से होकर दर्शनार्थी और आगंतुक रामपायली में प्रवेश करते हैं। वहीं उन्हें गंदगी और जलभराव का दृश्य देखने को मिल रहा है। ऐसे में पर्यटन नगरी की परिकल्पना और धरातल पर दिखाई देने वाली व्यवस्थाओं के बीच बड़ा विरोधाभास नजर आता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब लाखों रुपये खर्च कर प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया तब पंचायत से लेकर जिला प्रशासन तक किसी भी स्तर पर स्थायी जल निकासी व्यवस्था पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। यदि निर्माण कार्य के साथ साथ ड्रेनेज की समुचित योजना बनाई जाती तो पहली ही बारिश में ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और योजना का परीक्षण कराया जाए।

हट्टा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नाबालिक के अपहरण-दुष्कर्म का आरोपी विशाल सेंदरे गिरफ्तार

यह आरोपी पहले से ही काट रहा है उम्र कैद की सजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा पुलिस ने 14 वर्षीय नाबालिक लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी विशाल पिता उपकार सेंदरे 21 वर्ष, ग्राम पिपरझरी आवासटोला का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को 13 जून को विशेष अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 जून की रात हट्टा थाना क्षेत्र से 14 वर्षीय नाबालिक लड़की अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश किये लेकिन लड़की नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने हट्टा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हट्टा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि लड़की को विशाल सेंदरे बहला-फुसलाकर ले गया था। 12 जून को पुलिस को सूचना मिली कि विशाल नाबालिक के साथ सालेटेका बस स्टैंड पर बस से उतरा है। पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही विशाल लड़की को छोड़कर फरार हो गया। हट्टा पुलिस ने नाबालिक को दस्तयाब कर पूछताछ की। लड़की ने बताया कि विशाल उसे फुसलाकर भगाकर ले गया और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद हट्टा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर ने अपनी टीम के साथ आरोपी विशाल की तलाश तेज कर दी थी। 12 जून की रात ही हट्टा पुलिस ने विशाल को हट्टा रोड रेलवे स्टेशन से उसे समय गिरफ्तार कर लिया। जब वह भागने की फिराक में स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था।

पहले से उम्रकैद की सजा-जमानत पर छुटने पर किया कांड

चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी विशाल सेंदरे और उसके साथी निखिल यशने को हट्टा थाने के अपराध क्रमांक 71/2023 में नाबालिक से दुष्कर्म के एक अन्य मामले में पिछले साल ही मरते दम तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। इस मामले में विशाल सह-आरोपी था। विशाल हाल ही में उच्च न्यायालय जबलपुर से जमानत पर छूटा था। जमानत पर बाहर आते ही उसने फिर से वैसा ही कांड कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले को विस्तृत जांच कर रही है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

श्री जागृत हनुमान मंदिर में महाप्रसाद एवं संगीतमय सुंदरकांड पाठ संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी के वार्ड नंबर १४ स्थित भक्ति सेवा और विश्वास के केंद्र प्राचीन सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर में आयोजित भव्य धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। इस पावन अवसर पर प्रभु हनुमान जी की भक्ति में लीन होने और पुण्य लाभ कमाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए। जहाँ शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत शाम होते ही बेहद व्यवस्थित रूप से हुई। मंदिर समिति के द्वारा तय समय सारणी के अनुसार सभी अनुष्ठान पूर्ण किए गए। जिसमें शाम ५ बजे से ही प्रभु के भोग के बाद महाप्रसादी वितरण का शुभारंभ कर दिया गया। मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों के लिए भोजन प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई थी जिसका हजारों श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया। इसके बाद संगीतमय वातावरण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ जिसमें सुमधुर जुगलबंदी और भक्तिमय सुरों के बीच श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड की चौपाइयों का गान किया। जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। सुंदरकांड के पश्चात् शाम प्रभु के सुप्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति दी गई जिसमें भक्त झूमते नजर आए। इसके बाद महाआरती कर सभी भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के श्रद्धालु भक्तों के द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया गया।

अनियंत्रित भीड़ ने बदली तीर्थ पर्यटन की मूल अवधारणा

यूँ तो विश्व में तीर्थाटन का इतिहास बहुत पुराना है। भारत में तीर्थ और पर्यटन का घनिष्ठ संबंध रहा है। यहाँ तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन की प्राचीन परंपरा है। प्राचीनकाल में पर्यटन की शुरुआत तीर्थाटन, व्यावसायिक एवं साहसिक यात्राओं से ही हुई थी। उस दौर में तीर्थ यात्रा की भावना मन और विचारों की पवित्रता से जुड़ी थी। श्रद्धालु शांति की खोज, पापों के प्रायश्चित और निर्वाण के निमित्त तीर्थयात्राएं किया करते थे। तीर्थयात्रियों को तीर्थ स्थलों में मानसिक शांति और आध्यात्मिक सुख की अनुभूति होती थी। तीर्थाटन को सांसारिक परेशानियों एवं चिंताओं से मुक्ति पाने का उपक्रम माना जाता था। तब तीर्थ यात्राओं के लिए न्यूनतम सुविधाओं की आवश्यकता होती थी। तीर्थ यात्रा साधना के समतुल्य मानी जाती थी। श्रद्धालु कठिनतम तीर्थ यात्राएं किया करते थे। तब तीर्थ यात्रा के संबंध में कहा जाता था- जितनी कठिन यात्रा, उतना ही उत्तम फल। आज के दौर में मानव जीवन में व्यापारीकरण और भौतिकवाद बढ़ता चला जा रहा है। विलासप्रियता के चलते अब तीर्थ एवं धार्मिक पर्यटन में भी आनंद एवं आराम की चाहत होने लगी है। जिसके कारण तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन का मूल आधार तेजी से बदल रहा है। आधुनिक युग में तीर्थ भी सर्वसुविधायुक्त आनंददायक यात्रा हो गई है। धर्म स्थलों की यात्रा का प्रेरक तत्व धर्म से अधिक देखादेखी, मौजमस्ती और सैर-सपाटा हो गया है। धर्म स्थलों में आस्था के नाम पर उमड़ने वाली अनियंत्रित भीड़ के कारण पारिस्थितिकी संतुलन गड़बड़ाने लगा है। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से वातावरण प्रदूषित हो रहा है। भीड़भाड़ और कोलाहलपूर्ण वातावरण से नाजुक पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। स्थानीय संशाधनों में अत्यधिक दबाव पड़ने लगा है। आए दिन लगने वाले वाहनों के लंबे जाम के कारण स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होने लगी हैं। आवागमन पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा है। धर्म स्थलों की वहन क्षमता से कई गुना अधिक लोगों के आने से धर्म स्थलों की पचाने की क्षमता क्षीण होने लगी है। चकाचौंध कर देने वाले अल्पावधि के इस अनियंत्रित पर्यटन के कारण संवेदनशील एवं चैतन्य पर्यटकों का आगमन कम होने लगा है। जिससे टिकाऊ और लाभकारी पर्यटन प्रभावित हो रहा है।

यह स्थापित सत्य है कि अनियंत्रित एवं अनियोजित पर्यटन से लाभ के बजाय हानि अधिक होती है। अल्पकालिक सैर- सपाटा पर्यटन से लाभ नहीं,बल्कि विशुद्ध हानि ही होती है। ऐसे पर्यटन से भौतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कानून- व्यवस्था की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यदि उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को टिकाऊ, दीर्घजीवी और लाभकारी बनाना है तो पर्यटकों की संख्या पर अंकुश लगाना आवश्यक है, भले ही वह धार्मिक या तीर्थ पर्यटन ही क्यों न हो।

कार्ल लैंडस्टीनर की विरासत-क्यों मनाया जाता है विश्व रक्तदान दिवस और क्या हैं इसके फायदे ?

विश्व रक्तदान दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि यदि कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में रक्त का दान करता है तो यह मानवता के हित में सबसे बड़ा काम है, लेकिन एक आंकड़े के अनुसार हमारे देश की आबादी का केवल 37 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करने योग्य हैं, लेकिन उनमें से भी 10 प्रतिशत से भी कम लोग हर साल ब्लड डोनेट करते हैं। पाठकों को जानकारी प्राप्त करके आश्चर्य होगा कि दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 11.85 करोड़ (118.5 मिलियन) यूनिट रक्तदान एकत्र किया जाता है तथा विश्व के कुल रक्तदान का 40त्र हिस्सा उच्च आय वाले देशों से आता है, जबकि वहां दुनिया की केवल 16त्र आबादी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एक यूनिट रक्त को विभिन्न घटकों में विभाजित करके तीन लोगों तक की जान बचाई जा सकती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार निम्न आय वाले देशों में दिए जाने वाले रक्त का 54त्र हिस्सा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को चढ़ाया जाता है तथा उच्च आय वाले देशों में रक्त प्राप्त करने वालों में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग लगभग 76त्र हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2008 से 2018 के बीच स्वैच्छिक रक्तदाताओं से प्राप्त रक्तदान में 1.07 करोड़ (10.7 मिलियन) यूनिट की वृद्धि दर्ज की गई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दुनिया के 79 देशों में 90त्र से अधिक रक्त आपूर्ति स्वैच्छिक और निःशुल्क रक्तदाताओं से प्राप्त होती है, जबकि 54 देशों में अब भी आधे से अधिक रक्त परिवार या भुगतान वाले दाताओं से आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रसव के दौरान या बाद में हर वर्ष लगभग 1.4 करोड़ (14 मिलियन) महिलाएं अत्यधिक रक्तस्राव का सामना करती हैं, जिनके लिए समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवनरक्षक साबित होता है। भारत में विभिन्न आकलनों के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख यूनिट रक्त की कमी बनी रहती है, जिसके कारण नियमित स्वैच्छिक रक्तदान का महत्व और बढ़ जाता है। रोचक तथ्य है कि यदि किसी देश की केवल 1प्रतिशत आबादी नियमित रूप से रक्तदान करे, तो अधिकांश देशों की रक्त आवश्यकता पूरी हो सकती है। रक्त आज भी ऐसी जीवनरक्षक वस्तु है जिसे किसी फैक्ट्री में बनाया नहीं जा सकता; इसका एकमात्र स्रोत मानव रक्तदाता ही है। जीवन अमूल्य है और रक्तदान जीवनदान देता है। ब्लड प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया सबसे मूल्यवान उपहार है। हम इसके माध्यम से लोगों की कई तरह से मदद कर सकते हैं, मसलन हम बहुत सी जिंदगियां बचा सकते हैं। मानवता की सेवा में रक्तदान सबसे उत्तम सेवा है। बीमारों, जरूरतमंदों के लिए रक्तदान नये जीवन की आशा है। रक्तदान करके हम बहुत से जीवन बचा सकते हैं, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ और योग्य व्यक्ति को अपने जीवन में रक्त का दान करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और रक्तदान करना चाहिए। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस दिन को रक्तदान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में स्थापित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित जीवन रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है।

वास्तव में, इस दिन को 14 जून को मनाने का खास कारण है। जानकारी मिलती है कि वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज की थी। उनके इस योगदान के लिए वर्ष 1930 में कार्ल लैंडस्टीनर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रक्तदाता दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर को समर्पित है, जिनका जन्मदिन 14 जून को होता है। यहां यह भी बताता चलूं कि कार्ल लैंडस्टीनर ही वह वैज्ञानिक थे जिन्होंने एबीओ रक्त समूह की खोज की थी। उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था और उन्हीं की याद में यह दिवस संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि विश्व रक्तदाता दिवस मनाए जाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ, और रेड क्रिसेंट समाज द्वारा सबसे पहले की गई थी। कार्ल लैंडस्टीनर एक ऑस्ट्रियाई जीव वैज्ञानिक, चिकित्सक और प्रतिरक्षा विज्ञानी थे, और उन्हें आधुनिक रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) का संस्थापक माना जाता है। यह उनका योगदान ही है कि आज रोगी के जीवन को खतरे में डाले बिना ब्लड ट्रांसफ्यूजन संभव हो पाया है। कार्ल को उनके अनूठे योगदान के लिए वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। आज देश में रोजाना बहुत से एक्सीडेंट होते हैं, थैलेसीमिया के रोगियों, एनीमिया के रोगियों, ब्लड कैंसर जैसी बीमारियों में व बहुत बार डिलीवरी के वक्त महिलाओं को रक्त की जरूरत पड़ती है। कई बार आपात स्थिति में एक्सीडेंट के दौरान या फिर ऑपरेशन या किसी अन्य कारण से खून की आवश्यकता जब मरीज को पड़ती है, ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा दान किए गए खून से कई लोगों की जान बचाई जाती है। ऐसे ही ब्लड डोनर्स के महत्व और उन्हें धन्यवाद करने के लिए प्रति वर्ष 14 जून को 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। रक्तदान को महादान भी कहा गया है, क्योंकि किसी का जीवन बचाने से बड़ी बात कुछ और नहीं हो सकती है। आज लोग धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनको अभी भी रक्तदान करने से डर लगता है, रक्तदान को लेकर बहुत सी भ्रांतियां भी लोगों में व्याप्त हैं, तो हमारा कर्तव्य यह बनता है कि हम उन्हें रक्तदान के प्रति जागरूक करें। वास्तव में, अगर हमारी वजह से यदि किसी व्यक्ति की जिन्दगी बचती है तो हमें जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नहीं है। सच तो यह है कि रक्तदान जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास है। विश्व रक्तदाता दिवस के लिए हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक थीम को चुना जाता है ताकि स्वैच्छिक रक्तदान जीवन को बचाने और विभिन्न समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में भूमिका को उजागर किया जा सके। बहरहाल, यहां यह जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व रक्तदाता दिवस प्रतिवर्ष 14 जून को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करना है। वर्ष 2025 की थीम- रक्त दें, आशा दें-मिलकर जीवन बचाएं थी, जो रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने और आशा का संचार करने का संदेश देती है। वहीं वर्ष 2026 की थीम- मानवता की एक बूंद। रक्त दें। जीवन बचाएं। रखी गई है। यह थीम मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करते हुए लोगों को नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करती है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अनगिनत जीवन बचाने में रक्तदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज रक्त की आपूर्ति मांग की तुलना में कम है, क्योंकि लोगों में रक्तदान के बारे में अनेक तरह की भ्रांतियां हैं। कुछ लोग यह मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आती है, वे बीमार पड़ सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ व योग्य व्यक्ति यदि खून दान करता है तो यह उसके स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, ऐसा चिकित्सकों का कहना है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि एक अध्ययन में पाया गया कि रक्तदान की आपूर्ति प्रति हजार पर 33.8 थी, जबकि मांग 36.3 थी। ऐसे में देश में सालाना एक मिलियन (10 लाख) रक्त की यूनिट्स कम पड़ती हैं। खासतौर पर दूर-दराज के इलाकों में रक्त सुरक्षा का अभाव है। इसका मुख्य कारण है कि लोग रक्तदान के बारे में जागरूक नहीं हैं, कई स्थानों पर इसे उचित नहीं माना जाता है। चिकित्सकों का यह मानना है कि एक नहीं अपितु रक्त दान के ढेरों फायदे हैं। यह न सिर्फ रक्त पाने के लिए बल्कि दान करने वाले के लिए भी फायदेमंद है। डोनर द्वारा नियमित रूप से रक्तदान करने से शरीर में आयरन का स्तर ठीक बना रहता है। दिल की बीमारियों, विशेष प्रकार के कैंसर जैसे लिवर कैंसर तक का खतरा रक्तदान करने से कम हो जाता है। रक्तदान करने से बहुत सी जिंदगियां तो बचती ही हैं साथ ही साथ रक्त दान करने से हमारे मन में संतोष की भावना आती है, हम यह महसूस करते हैं कि हमने किसी को जीवन देने में मदद की है। इससे हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। इससे हमारा रक्त प्रवाह भी अच्छा बना रहता है। रक्त जांच से पहले हमारे शरीर की निःशुल्क शारीरिक जांच की जाती है, इससे हमारे ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, पल्स आदि जांचे जाते हैं। रक्तदान करने से हमारा वजन भी कंट्रोल रहता है। रक्तदान करने के बाद शरीर खून की कमी को पूरा करने में जुट जाता है, जिससे शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं ज्यादा बनती हैं, और हमारी सेहत में सुधार आता है। रक्तदान करने से हमारी ब्लड ग्रुप, आरएच फैक्टर के अलावा एचआईवी, हेपेटाइटिस, मलेरिया व यौनजनित रोगों की जांच हो जाती है। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया के दौरान 20-25 मिनट का समय लगता है। उस समय कोई तकलीफ व दर्द भी नहीं होता है और न ही किसी प्रकार के संक्रमण की संभावना रहती है। बार-बार रक्तदान करने से खून के अवयव (आरबीसी, डब्लूबीसी, हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स आदि) जल्दी बनते हैं। खून देने के बाद कुछ देर आराम कर रक्तदाता अपने सामान्य कार्यों को कर सकता है। रक्तदान करने से शरीर की ऑल ओवर फिटनेस सुधरती है। इससे हमारा शरीर चुस्त दुरुस्त रहता है। यह एक मिथक है कि औरतें रक्तदान नहीं कर सकती हैं। चिकित्सकों का मानना है कि 18 से 60 साल की उम्र का कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। बस, इसके लिए जरूरी है कि वह स्वस्थ हो और कुछ मानकों को पूरा करता हो। अगर हमें कोई बीमारी है या हम कोई दवा ले रहे हैं तो बेहतर होगा कि रक्तदान से पहले अपने चिकित्सक से सलाह ले लें और रक्तदान के लिए हो रही जांच के समय पूरी जानकारी दें। रक्तदान लोगों को बीमार नहीं करता है। हां, रक्तदान करने के बाद कभी कभार हल्के चक्कर आ सकते हैं, लेकिन इसके लिए रक्तदान से पहले और बाद में हम अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं। रक्तदान के बाद हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं जिनमें फोलिक एसिड, विटामिन बी 6 और बी 2 होते हैं। इन खाद्य पदार्थों में ऐसे घटक होते हैं, जो हमारे हीमोग्लोबिन स्तर को बढ़ाने में मदद करेंगे। रक्त दान करने से पहले लोगों को चिकित्सकों द्वारा कार्बोनेटेड पेय और फैटी खाद्य पदार्थ से 24 घंटे तक दूर रहने के लिए सलाह दी जाती है। वास्तव में, रक्तदान से हमें हमारी भावी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में भी पता चल जाता है। हम हमारे स्वास्थ्य के बारे में जागरुक बनते हैं। रक्त दान लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़ता है, यह सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है, खासतौर पर जब ऐसे रक्त दान अभियान सामुदायिक आयोजनों के रूप में चलाए जाते हैं। इससे एकजुटता, टीम-वर्क और समाज कल्याण की गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिलता है।

-सुनील कुमार महला

मन स्वस्थ्य है तो तन स्वस्थ है

-किशन सनमुखदास भावनानीं

अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है, अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ

है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है। यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अत: व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है! सामान्यत: साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं। वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं। वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं। जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है।

साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो-

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसका परिणाम पराजय में होता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।

साथियों बात अगर हम मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है की करें तो, स्वस्थ और तंदरुस्त रहना हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। स्वस्थ्य रहने का अर्थ रोग रहित तन का होना ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त मन का होना भी है। यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।

कुछ लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि शरीर को साफ-सुथरा और स्वस्थ कैसे रखा जाता है, लेकिन मन में घूम रही परेशानियों की वजह से उन्हें स्वस्थ रहने के लाभ नहीं मिल पाते हैं। मानसिक तनाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देता है। ऐसे में जरूरी है हम कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहें। इसके लिए आलस्य को त्यागकर ध्यान व व्यायाम दोनों का सहारा लिया जाना चाहिए। स्वस्थ मन से बनता है स्वस्थ तन, स्वस्थ तन से बनता है स्वस्थ जीवन और स्वस्थ जीवन से बनेगा स्वस्थ भारत अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ्य हैं!मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र से बढ़ी जीत हासिल की जा सकती है,तन और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी एक सूत्र है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं।

तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐसे वातावरण में सरकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा दें और दुष्प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण रखें।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों और पड़ोसी देशों की संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन स्थापित करे। एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति होने के कारण भारत की नीतियों का प्रभाव उसके पड़ोसियों पर स्वाभाविक रूप से पड़ता है। इसलिए केवल राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है; पड़ोसी देशों की आशंकाओं और अपेक्षाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। इसी प्रकार बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंताएँ, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित प्रश्न, उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की वैध चिंताओं का सम्मान करना होगा। विश्वास बहाली के लिए सबसे पहले लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। तीस्ता जल समझौते को प्राथमिकता देकर दोनों देश एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। सीमा प्रबंधन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना, संयुक्त गश्त और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना भी आवश्यक है। व्यापारिक असंतुलन को कम करने के लिए बांग्लादेशी उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, परिवहन और संपर्क परियोजनाओं को गति देकर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक परस्पर निर्भर बनाया जा सकता है।

उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद को नियमित और संस्थागत स्वरूप देना भी आवश्यक है। जब देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद बना रहता है, तब गलतफहमियों की संभावना कम हो जाती है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति, खेल, मीडिया और पर्यटन के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना चाहिए। सरकारों के बीच विश्वास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण नागरिकों के बीच विश्वास भी है। सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय मंचों जैसे बिंस्टेक् और बीबिन के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देना भी उपयोगी होगा। साझा आर्थिक और रणनीतिक हितों पर आधारित क्षेत्रीय सहयोग अविश्वास को कम करने में सहायक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास दोनों देशों को और निकट ला सकते हैं।

अंततः भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो देशों के बीच की साझेदारी नहीं हैं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, भाषा, भूगोल और साझा संघर्षों से निर्मित एक विशेष संबंध हैं। हाल के वर्षों में उत्पन्न तनाव और अविश्वास यह अवश्य दर्शाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में संवेदनशीलताओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। संवाद, सहयोग, पारस्परिक सम्मान और साझा विकास की भावना के आधार पर दोनों देश वर्तमान चुनौतियों को अवसर में बदल सकते हैं। यदि भारत और बांग्लादेश विश्वास की नई नींव पर अपने संबंधों का पुनर्निर्माण करते हैं, तो न केवल द्विपक्षीय संबंध अधिक मजबूत होंगे, बल्कि दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग भी अधिक प्रशस्त होगा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख से शनिवार को अनाज मंडी में उड़द बाजार बढ़त पर रहे। चने में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार सुस्त पड़े। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उड़द में ताजा पूछपरख से भावों में सुधार का रुख रहा। चने में बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में बाजार ठंडे रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 200 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये। उधर, किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4275, खोपरा गोला 390-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2490, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1460-1465, कपास्या 1480-1485, धूलिया 1490, कड़ी 1495,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1540, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8200-8300, हल्की 7700-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूलयवान धातुओं में बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 243000, चाँदी (99) 242800, टंच 242100, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147800,

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

नई दिल्ली। एजेंसी। पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है। रुपये में आई इस मजबूती की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में युद्ध थमने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71

अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई।

केंद्र सरकार बना रही बीएस 7 उत्सर्जन मानदंडों को लागू करने की योजना

नई दिल्ली। एजेंसी। साल 2030 तक केंद्र सरकार भारत स्टेज सातवें (बीएस7) उत्सर्जन मानदंडों को लागू करने की योजना बना रही है, जिसके लिए चालू वित्त वर्ष में अधिसूचना जारी की जा सकती है। यह कदम देश में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने और भारत स्टेज छठवें (बीएस6) मानदंडों को उन्नत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है, जिन्हें आखिरी बार 2020 में लागू किया गया था। प्रस्तावित बीएस7 नियम यूरोपीय संघ के यूरो 7 मानकों के अनुरूप होंगे, लेकिन इन्हें भारतीय सड़क की स्थिति और ईंधन की गुणवत्ता के लिए अनुकूलित किया जाएगा। इन नए मानदंडों में सख्त उत्सर्जन सीमाएं निर्धारित करने और वास्तविक दुनिया में उत्सर्जन की निगरानी, ऑनबोर्ड डायग्नोस्टिक्स तथा वाहन स्थायित्व के लिए आवश्यकताओं को पेश करने की उम्मीद है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी चर्चा शुरू कर दी है, साथ ही ऑटोमोबाइल निर्माताओं, ईंधन खुदरा विक्रेताओं और परीक्षण एजेंसियों से परामर्श भी किया जा रहा है।

उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि नए बीएस7 मानदंडों को अपनाने से प्रति वाहन निर्माण लागत 30,000 रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक बढ़ सकती है, जो सीधे ग्राहकों के लिए वाहनों की कीमतों में वृद्धि के रूप में परिलक्षित होगी। यह बदलाव वाहन निर्माताओं को कुछ मॉडलों को बंद करने या ग्राहकों को मजबूत हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे स्वच्छ विकल्पों की ओर आकर्षित करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

भारत बनेगा सेमीकंडक्टर हब! 2027 तक कंपनियां 31,299 करोड़ का निवेश करेंगी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के महत्वाकांक्षी सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को गति मिल रही है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के ताजा अनुमानों के मुताबिक आईएसएम के तहत पात्र सेमीकंडक्टर कंपनियां वित्त वर्ष 2027 तक संयुक्त रूप से 31,299 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। यह 1,64,291 करोड़ रुपये के कुल प्रतिबद्ध निवेश का लगभग 20 प्रतिशत है, जो देश में चिप निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 तक पांच सेमीकंडक्टर कंपनियों ने अपनी परियोजनाओं में 15,799 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अगले 12 महीनों में, यानी 31 मार्च 2027 तक, 15,500 करोड़ रुपये का और निवेश आने की उम्मीद है। 2023 में शुरू हुई यह योजना वास्तव में वित्त वर्ष 2025 में तब तेजी पकड़ी जब माइक्रोन को मंजूरी मिली और उसने गुजरात के साणंद में अपने एटीएमपी संयंत्र में निवेश शुरू किया। इस योजना के तहत, सरकार परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक प्रोत्साहन देती है, साथ ही राज्य सरकारें 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त योगदान करती हैं। माइक्रोन और काइन्स सेमीकॉन ने पहले ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। सीजी पावर से जुलाई में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है, जबकि टाटा के असम स्थित ओएसएटी संयंत्र से इस साल के अंत तक वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने की संभावना है। टाटा की गुजरात के धोलेरा में फैब संयंत्र परियोजना सबसे बड़ी है, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है और 2028 तक इसके तैयार होने की उम्मीद है। यह आईएसएम के तहत कुल निवेश का 55 प्रतिशत है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सेमीकंडक्टर संयंत्र की लागत में 65 प्रतिशत हिस्सा मशीनों का होता है, इसलिए आने वाले वर्षों में उपकरणों की खरीद और स्थापना में बड़ा निवेश देखने को मिलेगा। आईएसएम योजना के तहत अब तक 76,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोत्साहन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें देश भर में दो फैब परियोजनाएं और 10 ओएसएटी संयंत्र शामिल हैं।

मेष- आज आपके भीतर नई ऊर्जा और नए सपनों की हलचल बनी रहेगी। काम को लेकर कई नए विचार मन में आएंगे और आप उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान लगा देंगे। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत आपको पीछे नहीं हटने देगी। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। संपत्ति से जुड़ा फैसला लाभदायक साबित हो सकता है। अविवाहित लोगों के जीवन में नए रिश्ते की दस्तक दिल को खुश कर सकती है।

वृषभ- आज का दिन संतुलन और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को नई पहचान मिल सकती है। आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। नए संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं। जीवनसाथी के साथ पुराने मतभेद बातचीत से दूर होंगे और रिश्ते में फिर से मिठास लौटेगी।

मिथुन- आज भाग्य आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। कई काम आसानी से पूरे होते नजर आएंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। हालांकि कुछ लोग आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। घर के रुके हुए काम समय रहते पूरे कर लें। परिवार में किसी सदस्य के बाहर जाने की खबर भावुक माहौल बना सकती है।

कर्क- आज आपका हर काम उत्साह और सकारात्मक सोच से भरा रहेगा। समझदारी से लिए गए फैसले सफलता दिलाएंगे। भक्ति और आध्यात्म में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। बिजनेस में आपकी रचनात्मक सोच नए अवसर पैदा करेगी। विद्यार्थियों को मेहनत जारी रखनी होगी। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर दिल को गर्व और खुशी से भर सकती है।

सिंह- आज व्यापार और योजनाओं के लिहाज से दिन अनुकूल रहेगा। आपके फैसले अच्छे परिणाम देंगे और आत्मविश्वास मजबूत होगा। घर में किसी मेहमान के आने से रौनक बढ़ेगी। कुछ काम टालने की आदत नुकसान दे सकती है, इसलिए समय का सही उपयोग करें। छोटी यात्रा या घूमने का प्लान आपके मन को तरोताजा कर देगा।

कन्या- आज निवेश और आर्थिक फैसलों के लिए समय अच्छा है। काम के सिलसिले में यात्रा हो सकती है, जो आगे चलकर लाभदायक साबित होगी। सेहत को हल्के में लेने की गलती न करें। भाई-बहनों के साथ रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। माता-पिता की सेवा में समय बिताकर मन को संतोष मिलेगा। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील आगे बढ़ सकती है।

तुला- आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। व्यापार में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुल सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार से खुशखबरी मिलने की संभावना है। उधार दिया धन वापस मिल सकता है और नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या सराहना मिल सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन प्रगति और सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी से किया वादा निभाने की जिम्मेदारी महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद करके मन को शांति मिलेगी। काम से जुड़े नए विचार भविष्य में बड़ी सफलता का आधार बन सकते हैं।

धनु- आज कामकाज के क्षेत्र में आपकी मेहनत की तारीफ होगी। बॉस के साथ अच्छा तालमेल रहेगा और स्थिति मजबूत होगी। बिजनेस में भी आपके प्रयास रंग लाने लगेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। परिवार में अपनापन बढ़ेगा, हालांकि किसी विरोधी की बात थोड़ी देर के लिए मन खराब कर सकती है।

मकर- आज हर फैसला सोच-समझकर लेने की जरूरत होगी। जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। बिजनेस में बदलाव करने से पहले सभी पहलुओं पर ध्यान दें। कठिन परिस्थिति में धैर्य ही आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगा। कोई बनता हुआ काम अचानक रुक सकता है, लेकिन हिम्मत बनाए रखें। जरूरत पड़ने पर मदद आसानी से मिल जाएगी।

कुंभ- आज भावनाओं में बहकर कोई फैसला लेने से बचें। किस्मत आपका साथ दे सकती है, लेकिन आलस्य से दूरी बनानी होगी। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवनशैली में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। पुराने दोस्त से मुलाकात पुराने दिनों की यादें ताजा कर देगी।

मीन- आज सेहत के मामले में राहत महसूस होगी और पुरानी परेशानी कम हो सकती है। हालांकि कोई विरोधी परेशान करने की कोशिश करेगा, इसलिए सतर्क रहें। कुछ नया करने की इच्छा आपको रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ाएगी। संतान के व्यवहार को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य से सब संभल जाएगा। कर्ज लौटाने की स्थिति बन सकती है और सरकारी काम समय पर पूरे होने से मानसिक शांति मिलेगी।

शब्दजाल - 8288

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	र	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ज	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	री	ह	झ	वि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	व	ते	फ	न	श	पा
ने	बा	वे	न	व	जी	ल	वे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	ब	प	बी	न	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेवेत, शेवेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अव

शब्दजाल - 8287 का हल

दैनिक पंचांग

14 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 165 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 12.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 22.14 बजे को समाप्त।
योग धृति 13.15 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 12.20 तदनन्तर चतुष्पद 22.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 15'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872740
जूलियन दिन 2461205.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिलहेज तारीख 28
विशेष दर्श अमावस्या, विश्व रक्तदान दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.23 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	07.37 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.53 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.05 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.15 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.30 बजे से
शनि	मीन में	धनु	18.46 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.51 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.38 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मीन	00.10 बजे से
		मेष	01.41 बजे से
		वृष	03.21 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.36 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व क्षेत्र शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बच्चे की सीख

बचपन से ही मुझे अध्यापिका बनने तथा बच्चों को मारने का बड़ा शौक था। अभी मैं पाँच साल की ही थी कि छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल लगा कर बैठ जाती। उन्हें लिखाती पढ़ाती और जब उन्हें कुछ न आता तो खूब मारती। मैं बड़ी हो कर अध्यापिका बन गई। स्कूल जाने लगी। मैं बहुत प्रसन्न थी कि अब मेरी पढ़ाने और बच्चों को मारने की इच्छा पूरी हो जाएगी। जल्दी ही स्कूल में मैं मारने वाली अध्यापिका के नाम से प्रसिद्ध हो गई। एक दिन श्रेणी में एक नया बच्चा आया। मैंने बच्चों को सुलेख लिखने के लिए दिया था। बच्चे लिख रहे थे। अचानक ही मेरा ध्यान एक बच्चे पर गया जो उल्टे हाथ से बड़ा ही गंदा हस्तलेख लिख रहा था। मैंने आव देखा न ताव, झट उसके एक चाँटा रसीद कर दिया। और कहा, 'उल्टे हाथ से लिखना तुम्हें किसने सिखाया है और उस पर इतनी गंदी लिखाई!' इससे पहले कि बच्चा कुछ जवाब दे, मेरा ध्यान उसके सीधे हाथ की ओर गया, जिसे देख कर मैं वहीं खड़ी की खड़ी रह गयी क्योंकि उस बच्चे का दायाँ हाथ था ही नहीं। किसी दुर्घटना में कट गया था। यह देख कर मेरी आँखों में बरबस ही आँसू आ गए। मैं उस बच्चे के सामने अपना मुँह न उठा सकी। अपनी इस गलती पर मैंने सारी कक्षा के सामने उस बच्चे से माफी माँगी और यह प्रतिज्ञा की कि कभी भी बच्चों को नहीं मारूँगी। इस घटना ने मुझे ऐसा सबक सिखाया कि मेरा सारा जीवन ही बदल गया।

फिल्म वर्ग पहेली - 7233

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठ नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रुस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और कांटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बॉर्डर' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल न किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7232

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7542

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7541 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8757

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8756 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी में फुटकर व्यापारियों से खुली लूट ?

बाजार शुल्क के नाम पर तय शुल्क से अधिक वसूली और नहीं दी जा रही रसीद

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी को वर्षों से धर्मनगरी और महादेव की नगरी के नाम से जाना जाता रहा है। धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान रखने वाली इस नगरी से सदैव नैतिकता, न्याय और जनकल्याण की अपेक्षा की जाती है, लेकिन विडंबना यह है कि पिछले कुछ वर्षों में यहां एक के बाद एक ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिन्होंने धर्मनगरी की इस छवि काफी हद तक प्रभावित किया है। अब अगर गरीबों की मेहनत की कमाई पर ही चोट पहुंचने लगे, तो यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक चिंता का भी विषय है। अब इसी कड़ी में एक और गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें आरोप है कि नगर के दैनिक बाजार में दो वक्त की रोटी कमाने के लिए सड़क किनारे बैठने वाले गरीब फुटकर व्यापारी भी कथित रूप से अवैध वसूली का शिकार हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार बस स्टैंड, सुभाष चौक, सालेटेकरी मार्ग, आमगांव मार्ग, बालाघाट रोड सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी रूप से व्यापार करने वाले फुटकर व्यापारियों से बाजार ठेकेदार द्वारा निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक राशि वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि जहां नियमानुसार 30 से 35 रुपये तक शुल्क लिया जाना चाहिए, वहीं कई व्यापारियों से 60 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इतना ही नहीं, वसूली के बाद अधिकांश मामलों में रसीद तक नहीं दी जा रही, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक राशि की हो रही वसूली

नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर कई फु टकर व्यापारियों का दर्द छलक उठा। उनका कहना है कि वे किसी बड़े व्यवसाय से जुड़े लोग नहीं हैं, बल्कि रोज कमाने और रोज खाने वाले गरीब परिवारों के सदस्य हैं। यदि निर्धारित शुल्क से 5 या 10 रुपये अधिक भी लिए जाएं तो वे बिना किसी विवाद के देने को तैयार हैं, लेकिन दोगुनी राशि वसूलना और विरोध करने पर व्यापार प्रभावित होने का डर दिखाना सरासर अन्याय है। व्यापारियों का कहना है कि यदि इसी तरह वसूली होती रही तो उनके लिए परिवार का पालन-पोषण करना और कठिन हो जाएगा। वहीं व्यापारियों ने यह भी बताया की अगर वे विरोध करते है तो ठेकेदार द्वारा नगर परिषद के कर्मचारियों को भेजकर दुकान हटाने के लिये भेज दिया जाता है जिससे इस करतूत में नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता।

नगर परिषद की आय में इनका भी योगदान

गौरतलब है कि यही फु टकर व्यापारी नगर परिषद के राजस्व संग्रहण की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सड़क किनारे बैठकर सब्जी, फल, घरेलू सामग्री और अन्य छोटे-मोटे सामान बेचने वाले इन व्यापारियों से प्राप्त शुल्क नगर परिषद की आय में योगदान देता है। वहीं बाजार ठेकेदार भी अपने ठेके से जुड़े खर्चों और संभावित नुकसान की भरपाई इसी वसूली व्यवस्था से करता है। लेकिन यदि राजस्व संग्रहण के नाम पर गरीब व्यापारियों से कथित रूप से मनमानी राशि वसूली जाए तो यह व्यवस्था जनहित के बजाय शोषण का माध्यम बनती नजर आती है। व्यापारियों ने कहा प्रतिवर्ष दैनिक बाजार का ठेका आसानी से मिलने और निगरानी तंत्र की कमजोरी के कारण कुछ ठेकेदारों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। यही कारण है कि नगर में शासकीय नियमों को दरकिनार कर अतिरिक्त वसूली जैसे आरोप बार-बार सामने आ रहे है जिससे नगर परिषद की कार्यशैली की पारदर्शिता पर भी सवाल उठना लाज़मी है।

इनका कहना है

मुझे भी पिछले कुछ समय से मौखिक रूप से अधिक वसूली की लगातार शिकायते मिल रही है। किसी भी व्यापारी को अगर ठेकेदार और उनके कर्मचारियों द्वारा बाजार शुल्क की रसीद नहीं जा रही है और अधिक वसूली की जा रही है तो वे निडर होकर मेरे कार्यालय में आकर शिकायत करें, हमारे द्वारा ठेकेदार के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मयूर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद लांजी

कभी साइकिल से लांजी कॉलेज आया, अब बना सहायक प्राध्यापक

असफलताओं से हमें सीखकर आगे बढ़ना चाहिए- मधुप्रसाद

पद्मेश न्यूज। लांजी। कठिनाइयां चाहे कितनी भी बड़ी क्यूं ना हो संघर्ष से इसे सफलता में बदला जा सकता है। बात जब भी लांजी क्षेत्र की आती है तो प्रायः सभी परीक्षाओं में प्रतिभागियों ने सीमित संसाधन में अपना परचम लहराकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है, कुछ ऐसा ही छोटे से गांव चुरली से निकलकर मदनलाल कबीरे और निशीता कबीरे के लाल मधुप्रसाद कबीरे ने कर दिखाया है। मधुप्रसाद ने कक्षा 5वीं तक की पढ़ाई वीरांगना अवंतीबाई स्कूल चुरली, 8वीं तक की पढ़ाई शामावि सिहारी, 10वीं तक की पढ़ाई हाईस्कूल बोलेगांव, 12वीं तक की पढ़ाई उमावि मोहझरी से की। आगे एमए तक की पढ़ाई आरआर टिके श्वर के मार्गदर्शन में

शासकीय महाविद्यालय लांजी से हुई। मधुप्रसाद की इस सफलता ने समाज, क्षेत्र और गांव को गौरन्वित किया है। भूगोल विषय से एमए करने के बाद मधु ने दूसरे ही प्रयास में नेट जेआरएफ की परीक्षा पास कर पीएचडी करने देवी अहिल्या विश्वविद्याल इंदौर चले गए। यहीं रहते मधुप्रसाद ने दूसरे ही प्रयास में एमपीपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली और अब सहायक प्राध्यापक (भूगोल) के लिए चयन हो गया है। साधारण परिवार में जन्में मधुप्रसाद के पिता किसान हैं और मजदूरी करते हैं। मेहनतशील मधुप्रसाद चुरली से लांजी कॉलेज कभी साइकिल से आता था। कभी पैसों की किल्लत से भी जूझना पड़ता था फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी, और लगातार मेहनत करते रहा और आखिरकार सफलता मिल ही गई। मधुप्रसाद ने सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार के सभी सदस्य, गुरुजन एवं मित्रगणों को देते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतरता बेहद जरूरी है। कई बार असफलताएं भी आती है पर असफलताओं से हमें सीखकर आगे बढ़ना चाहिए।

गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण कार्य पर ग्राम पंचायत मुर्री की पंचायत बॉडी ने जताई नाराजगी

सरपंच,सचिव और रोजगार सहायक को खूब सुनाई खरीखोटी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मुर्री मे सरपंच सचिव द्वारा सीमेंट सड़क का घटिया निर्माण कार्य करवाए जाने पर उपसरपंच सहित ग्राम पंचायत के सभी पंचो नें लामबंद होकर पहले तो उक्त निर्माण कार्य का एक साथ निरीक्षण कर सूक्ष्मता से अवलोकन किया। जिसमें उनके द्वारा 20 ढ्ढ्ढ गिट्टी का कम मात्रा मे उपयोग कर रेत का अधिक उपयोग किए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सरपंच महेश बाहे, सचिव ओमकार कुथे एवं ग्राम रोजगार सहायक पर मनमानी एवं मनमर्जी बरतते हुए कार्य करने का आरोप पंचों द्वारा लगाया गया है। पंचों ने सरपंच सचिव के सामने ही पंचों को जानकारी दिए बिना कार्य प्रारंभ कर दिए जाने,40 ढ्ढ्ढ गिट्टी का बेस वर्क मे 6 ढ्ढ्ढ तक बिछाये जाने से 20 ढ्ढ्ढ गिट्टी मसाला 2 ढ्ढ्ढ ही बिछाए जाने तथा रेत का अधिक उपयोग करने का आरोप लगाते हुए मजबूत सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण नहीं हो पाने की आशंका जताई है।ग्राम पंचायत मुर्री के पंचों ने बताया कि गांधी चौंक से कब्रस्तान तक 25 लाख रूपयों की लागत से 670 मीटर सड़क का निर्माण कार्य विधायक राजकुमार करहि की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से ग्राम पंचायत के माध्यम से करवाया जा रहा है। और इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की जानकारी पंचों को नहीं दिए जाने पर तथा कार्य प्रारंभ होने के तीन दिन बीत जाने बाद जानकारी लगने पर उपसरपंच सहित समस्त नाराज पंचो ने सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा पंचायत भवन में आकर सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक को खूब खरी खोटी सुनाई। और बताया कि उक्त मार्ग से प्रतिदिन बैलगाड़ी और ट्रैक्टरों से किसान अपने खेतों तक आना जाना करते हैं जिसको दृष्टिगत रखते हुए सीमेंट कांक्रीट सड़क का मजबूत और गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। क्यूँकि सड़क एक बार ही बनेगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि कुछ दिन में ही सड़क ख़राब हो जाये और गांव के लोगों को आगे परेशानियां उठानी पड़े। सड़क का निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाना चाहिए। वही इस मामले मे पंचायत सचिव ने अपनी प्रतिक्रिया देने से स्पष्ट रूप से मना कर दिया।

इनका कहना है

गांव के सरपंच सचिव द्वारा पंचो को सूचना दिए बिना ही सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया। तीन दिन बाद पंचों को जानकारी लगी तो सब ने कार्यस्थल पर जाकर देखे। कार्य मे अनियमितता दिखाई देने से सभी लोग नाराज हो गये। और पंचायत भवन में आकर सरपंच सचिव को फटकार लगाई गई।

सहारुलाल पांचे, उपसरपंच
ग्राम पंचायत मुर्री

ग्राम पंचायत द्वारा सीमेंट सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। कार्य करने के दौरान एक स्थान पर रेत की मात्रा अधिक हो गई है। उसको हटाकर फिर से सुधार करवाया जाएगा। कार्य की जानकारी सभी लोगों को हैं सभी पंचो के साथ मिल जुलकर उनकी मंशानूरूप कार्य करवाया जाएगा।

महेश बाहे, सरपंच
ग्राम पंचायत मुर्री (किरनापुर)

अमर शहीद आशीष शर्मा की स्मृति में जारी है नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टूर्नामेंट

15 को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला

पद्मेश न्यूज। लांजी। नक्सल प्रभावित रहे पहाड़ी और वनांचल क्षेत्रों में अब विकास, खेल और शिक्षा की नई बयार बह रही है। इसी कड़ी में अमर शहीद आशीष शर्मा की स्मृति में नक्सल मुक्त भारत क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन एकल सुविधा केंद्र टेमनी एवं हॉक फोर्स, बालाघाट पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। बतादे कि प्रतियोगिता में देवरबेली क्षेत्र के सभी वनांचल ग्रामो के लगभग 32 टीमो ने भाग लिया है 10 जून से प्रारंभ इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 15 जून 2026 को सतीझोड़ी पहाड़ी मैदान में खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में उन ग्रामो के युवा प्रतिभागिता कर रहे है जहां कभी गोलियो की आवाजें गुंजती थी आज खेल भावना का उत्साह देखा जा रहा है। बालाघाट जिले में लगभग 35 वर्षों तक चली नक्सल समस्या के समापन के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा नक्सल मुक्त गांवों के जनजातीय परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से स्थापित एकल सुविधा केंद्रों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र मे सर्वाधिक लोकप्रिय खेल क्रिकेट है जिसे देखते हुये वनांचल क्षेत्रो के युवाओं के लिये उक्त क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में बैगा जनजाति बाहुल्य 32 गांवों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे युवा पूरे जोश और खेल भावना के साथ मैदान में अपना हुनर दिखा रहे हैं। खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि एकल सुविधा केंद्र विद्यांजलि के माध्यम से टेमनी माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों के लिए वॉलीबॉल मैदान भी तैयार किया गया है। इस मैदान का उद्घाटन लांजी विधायक राजकुमार करहि एवं बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की उपस्थिति में किया जाएगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से फाइनल मुकाबले में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। साथ ही जनजातीय परिवारों के साथ सहभागिता कर सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता का संदेश देने का आग्रह किया गया है। आयोजकों का मानना है कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ने का सशक्त साधन है। नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

ग्राम पंचायत किरनापुर में जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

जनकल्याणकारी शिविर में हितग्राहियों को वितरित किए गए हितलाभ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 5 जून से 21 जून 2026 तक चलाए जा रहे जनकल्याणकारी शिविरों की श्रृंखला के अंतर्गत किरनापुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत किरनापुर में शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह उपस्थित रहे। साथ में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष हितग्राही मौजूद रहे।

योजनाओं की जानकारी और जनसुनवाई

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया भी की गई। प्रशासन द्वारा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं केक्रियान्वयन में सक्रियता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

आगामी गतिविधियों की जानकारी, हितलाभ का वितरण

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री राणा द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभ एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इनमें शामिल हैं-एक बगिया मां के नाम योजना का लाभ

महिलाओं को सहायता लखपति दीदी योजना के अंतर्गत लाभार्थी लाड़ली लक्ष्मी योजना के 6 हितग्राही पेंशन योजना का लाभके आवेदन पत्र जमा किया गया।

शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य शासन की योजनाओं को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना और जनसेवा को अधिक सशक्त बनाना है।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के समस्त ग्राम पंचायत के सचिव ,रोजगार सहायक आशा कार्यकर्ता, ग्रामीणों इस कार्यक्रम में कृषि विभाग जनपद पंचायत के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी पशु चिकित्सा विभाग महिला बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, सरपंच श्रीमती धर्मकला भाई जे पी रामटेके एवं उपसरपंच श्रीमती रोशनी उपाध्याय एवं पंचगणों की व समन्वय अधिकारी टी सी पुसाम व जनपद पंचायत के बड़े बाबू बी आर सोनेकर की उपस्थिति रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गेहूं खरीदी में गड़बड़ी पर खाद्य मंत्री का बड़ा एक्शन

भोपाल। एजेंसी। सागर जिले में गेहूं खरीदी के दौरान गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित श्री देव प्रभाकर हाउस में गंभीर अनियमितताओं और किसानों के हितों से खिलवाड़ के मामले को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री राजपूत के निर्देश पर मामले में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर सहायक आपूर्ति अधिकारी निशांत पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति बघेल को सागर जिले प्रभार से हटा कर भोपाल मुख्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही खाद्य मंत्री राजपूत द्वारा कलेक्टर सागर को निर्देशित किया गया की खाद्य विभाग के अतिरिक्त उपार्जन हेतु जिम्मेदार अन्य विभाग के कर्मचारियों की घटना में भूमिका की जांच भी की जाए और दोषी होने पर उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाये। मंत्री श्री राजपूत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों की मेहनत और उनके अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपार्जन प्रक्रिया में यदि कोई अधिकारी, कर्मचारी, संस्था या समूह लापरवाही अथवा भ्रष्टाचार में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बोरियों में गेहूं के साथ मिट्टी मिलाने का मामला

हाल ही में जिले के एक वेयरहाउस में गेहूं की बोरियों में भारी मात्रा में मिट्टी मिलने का मामला सामने आया। प्रारंभिक जांच में कुछ बोरियों में गड़बड़ी दिखाई दी थी,बोरियों में गेहूं के स्थान पर अत्यधिक मात्रा में मिट्टी पाए जाने की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार कुछ बोरियों में मिट्टी की अधिक मात्रा पाई गई। खाद्य मंत्री राजपूत के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल जांच शुरू की और संबंधित स्व-सहायता समूह के पदाधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया गया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है।

भाजपा सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या लापरवाही न हो, इसके लिए सरकार लगातार निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को सशक्त बनाने, उनकी आय बढ़ाने और कृषि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति या अधिकारी किसानों के अधिकारों पर कुठाराघात करने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री राजपूत ने कहा, किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी मेहनत और विश्वास के साथ खिलवा? करने वालों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा। गेहूं खरीदी में हुई गड़बड़ी अत्यंत गंभीर मामला है। मैंने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कदम उठाए हैं। जांच में जो भी अधिकारी, कर्मचारी, संस्था या अन्य व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। किसानों के हितों की रक्षा करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था और अधिक मजबूत की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करना उचित नहीं, संज्ञान ले न्यायालय- राकेश सिंह

जबलपुर। एजेंसी। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका का सम्मान सर्वोपरि है और किसी भी राजनीतिक दल या नेता को अदालतों पर टिप्पणी करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन से जुड़े मामले में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने जिस तरह सार्वजनिक बयान दिए हैं, वह स्वस्थ राजनीतिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। राकेश सिंह ने कहा कि भारतीय राजनीति में लंबे समय तक न्यायालयों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद अदालतों के निर्णयों व कार्यवाहियों पर इस प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणियां नहीं की जाती थीं। उनके अनुसार हाल के घटनाक्रम में कुछ नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर जिस तरह बयानबाजी की है, वह चिंता का विषय है।

सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई की मांग

मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत पर टिप्पणी करने वाले नेताओं और संबंधित व्यक्तियों से जवाब तलब किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाया जा सके। उनका मानना है कि न्यायपालिका के प्रति सम्मान बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

मीनाक्षी नटराजन प्रकरण का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कांग्रेस संगठन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की तैयारी और नेतृत्व के स्तर पर समन्वय की कमी दिखाई दी, जिसके कारण यह स्थिति बनी। राकेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक परिस्थितियों का आत्ममंथन करना चाहिए और हार या असफलता के लिए अन्य संस्थाओं अथवा व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय संगठनात्मक कमियों पर ध्यान देना चाहिए।

छत्तीसगढ़ बना ग्रामीण आवास निर्माण में नंबर-1, ढाई साल में 10.60 लाख से ज्यादा परिवारों को मिला पक्का घर

रायपुर। एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और राज्य सरकार की विभिन्न आवासीय योजनाओं के माध्यम से पिछले ढाई वर्षों में 10 लाख 60 हजार से अधिक ग्रामीण आवासों का निर्माण पूरा किया गया है। सरकार का दावा है कि वर्ष 2025-26 में अकेले 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण कर छत्तीसगढ़ देश में सबसे ज्यादा ग्रामीण आवास निर्माण करने वाला राज्य बन गया है। सरकार के अनुसार, सत्ता संभालने के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में ही गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया था। इसी के तहत प्रदेश में 18 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य में वर्षों से लंबित 2 लाख 46 हजार 215 अपूर्ण आवासों को पूरा करने के साथ-साथ वर्ष 2011 की स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल 6 लाख 33 हजार 438 परिवारों को भी आवास उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा आवास प्लस योजना के अंतर्गत पात्र 8 लाख 19 हजार 999 परिवारों तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास न्याय योजना के तहत 47 हजार 90 हितग्राहियों को भी योजना में शामिल किया गया है। सरकार का कहना है कि किसी भी पात्र गरीब परिवार को आवास से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में भी आवास निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (ब्ल्क्क्षल) के लिए 33 हजार 601 आवास स्वीकृत किए गए हैं। वहीं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष परियोजना के तहत 15 हजार अतिरिक्त मकानों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि विकास की मुख्यधारा से जुड़े इन इलाकों में भी बुनियादी सुविधाएं पहुंच सकें। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार आवास निर्माण कार्य को तेज गति देने के लिए अब तक 26,908 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। विभाग का दावा है कि पिछले वर्ष अप्रैल से अक्टूबर के बीच प्रतिदिन औसतन 2 हजार आवासों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि वर्तमान में भी रोजाना 1600 से अधिक मकानों का निर्माण किया जा रहा है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बेहतर प्रदर्शन मानी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पक्का घर हर परिवार का सपना होता है और सरकार उस सपने को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से लाखों गरीब परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य तेजी से पूरा हो रहा है।

इंदौर चिड़ियाघर में कुदरत का अनूठा करिश्मा, पैदा हुआ गुलाबी आँखों वाला दुर्लभ सफेद हिरण

इंदौर। एजेंसी। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय के खाते में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। चिड़ियाघर में वन्यजीव प्रेमियों को आकर्षित करने के लिए कुदरत का एक अनूठा और विस्मयकारी करिश्मा सामने आया है। यहाँ एक अत्यंत दुर्लभ एल्बिनो यानी सफेद हिरण के शावक ने जन्म लिया है। दूध जैसे सफेद रंग और मोतियों जैसी चमकीली गुलाबी आँखों वाले इस नन्हे मेहमान को देखकर हर कोई हैरान और अभिभूत है। इस नए जन्म के साथ ही चिड़ियाघर में हिरणों का कुनबा बढ़कर अब 60 पर पहुँच गया है।

क्यों अनूठा है यह नन्हा मेहमान

प्राणी शास्त्रियों के अनुसार यह शावक एल्बानिज़्म नामक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति और जेनेटिक म्यूटेशन के साथ पैदा हुआ है। इसके शरीर में रंग तय करने वाले मेलेनिन पिगमेंट की पूरी कमी है, जिसके कारण इसके बाल और त्वचा पूरी तरह सफेद हैं। आँखों में भी मेलेनिन न होने की वजह से पीछे की रक्त वाहिकाएं साफ दिखाई दे रही हैं, जिससे इसकी आँखें प्राकृतिक रूप से आकर्षक गुलाबी नजर आ रही हैं।

चुनौतीपूर्ण है सुरक्षा और डॉक्टरों की भूमिका

चिड़ियाघर प्रबंधन के लिए इस दुर्लभ शावक को सहेजना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि एल्बिनो जीवों की त्वचा और आँखें सूर्य की पराबैंगनी किरणों के प्रति बेहद संवेदनशील होती हैं, इसलिए इसके स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शावक और उसकी माँ को एक विशेष बाड़े में डॉक्टरों की सीधी निगरानी में रखा गया है। बाड़े के आसपास सैनिटाइजेशन और विशेष सुरक्षा जैसे कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि नन्हे शावक को किसी भी तरह के बाहरी संक्रमण से पूरी तरह बचाया जा सके।

एल्बिनो वन्यजीवों का जन्म प्रकृति की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है। खुले जंगलों में रंग भेद न होने के कारण ये शिकारी जानवरों का आसान शिकार बन जाते हैं, लेकिन चिड़ियाघर के सुरक्षित और अनुकूल माहौल में हम इसकी पूरी देखभाल कर रहे हैं। यह इंदौर की समृद्ध जैव विविधता का एक अनमोल उपहार है।

डॉ. उत्तम यादव, प्रभारी अधिकारी,
कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय, इंदौर

सैलानियों के लिए बनेगा मुख्य आकर्षण

इंदौर चिड़ियाघर पहले से ही दुर्लभ सफेद बाघ, तेंदुए और अन्य जीवों के सफल प्रजनन के लिए देश भर में अपनी खास पहचान रखता है। अब इस गुलाबी आँखों वाले नन्हे मेहमान के आने से चिड़ियाघर की खूबसूरती में चार चांद लग गए हैं। डॉक्टरों की हरी झंडी मिलते ही जल्द ही इसे आम पर्यटकों के दीदार के लिए मुख्य बाड़े में छोड़ा जाएगा, जिसके बाद यह इंदौर आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा।

लोकायुक्त पुलिस की शिकायत लोकायुक्त डीजीपी को, मामला साक्ष्य लीक करने का

इन्दौर। एजेंसी। लोकायुक्त पुलिस को साक्ष्यों के साथ की गई शिकायत के साक्ष्य लीक होने का हैरतअंगेज और सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसके बाद फरियादी ने लोकायुक्त पुलिस की ही शिकायत लोकायुक्त भोपाल, उप-लोकायुक्त और डीजी लोकायुक्त से की है। शिकायत सत्तर हजार रुपए के लेन-देन में एक मीडियाकर्मी की भूमिका की थी जिस पर लोकायुक्त कार्यालय इन्दौर की कार्रवाई पर सवाल उठाते शिकायत की गई है। मामले में प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के एक व्यापारी शेखर और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज एफआईआर में विवेचना के दौरान उनके नाबालिग बेटे का नाम भी प्रकरण में जोड़ दिया गया था। हालांकि व्यापारी का कहना था कि यह एफआईआर ही झूठी है। और जब इस मामले में 16 अप्रैल 2026 को उन्हें थाने बुलाया गया तो वहां मौजूद दो मीडियाकर्मियों में से एक ने अपना नाम कमलेश बताते उनके नाबालिग बेटे का नाम मामले से हटाने के एवज में पहले एक लाख रुपए और बाद में 70 हजार रुपए की मांग की। उसने यह राशि थाना पुलिस के नाम पर मांगी थी।व्यापारी की शिकायत अनुसार उसने मीडियाकर्मी से फोन पर हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग की, जिसमें 70 हजार रुपए की मांग और पुलिस की ओर से मदद कराने का जिक्र किया गया है। इसके बाद 17 अप्रैल 2026 को लोकायुक्त कार्यालय इन्दौर पहुंचकर रिकॉर्डिंग सहित शिकायत दर्ज कराते उक्त रिकॉर्डिंग पेन

ड्राइव में सौंप संबंधित लोगों के खिलाफ ट्रैप कार्रवाई करने की मांग की। लेकिन लोकायुक्त कार्यालय द्वारा ट्रैप कार्रवाई करने के बजाय उनके बयान दर्ज किए और रिकॉर्डिंग जब्त कर ली तथा संबंधित लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब कुछ समय बाद उसी मीडियाकर्मी ने व्यापारी शेखर से मुलाकात कर कहा कि शिकायत की जानकारी उसे पहले ही मिल गई थी, जिससे वे सतर्क हो गए थे। तब शेखर को पूरी बात का पता चला और जिसके बाद व्यापारी ने लोकायुक्त संगठन के सर्वोच्च अधिकारियों से घटनाक्रम की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते अनुरोध किया है कि यदि शिकायत की गोपनीय जानकारी लीक हुई है, तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए।बता दें कि भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की शिकायतें लोकायुक्त में की जाती हैं, लेकिन यह ऐसा मामला है, जिसमें एक शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लोकायुक्त भोपाल, उप-लोकायुक्त और डीजी लोकायुक्त को शिकायत भेजी गई है अब देखना यह है कि लोकायुक्त संगठन के उच्च अधिकारी अपने संगठन की इस सवालिया कार्यप्रणाली की शिकायत को लेकर क्या कदम उठाते है।

ज्ञात हो कि लोकायुक्त निजी व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई नहीं करता है। कानूनविदों के अनुसार यदि इस मामले में किसी लोक सेवक की रिकॉर्डिंग होती या पीड़ित की सीधे किसी लोक सेवक से बातचीत कराई जाती, तो मामला बन सकता था। यह मामला तो फ्रॉड या चीटिंग की श्रेणी का प्रतीत होता है, जिसकी शिकायत पुलिस से की जानी चाहिए थी। इस प्रकार के मामलों में लोकायुक्त सामान्यत: संज्ञान नहीं लेता है।

परीक्षा में नंबर बढ़वाने और पीएचडी कराने के नाम पर सवा लाख की ठगी

भोपाल। एजेंसी। पीएचडी कराने का झांसा देकर 1 लाख 20 हजार की ठगी किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत की जॉंच के बाद प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी अमित खरे पिता जेपी खरे (47) निवासी चूना भट्टी स्थित दीपक सोसायटी ने अपनी शिकायत में बताया की वह एक अंग्रेजी समाचार पत्र में एजीएम हैं। उन्हें जानकारी लगी थी की अंकुर काम्पलेक्स में किराए से रहने वाला आरोपी प्रेम कुमार पवार एनआईओएस के जरिए परीक्षा उत्तीर्ण कराने और पीएचडी दिलाने का दावा करता था। वह आल इंडिया एजुकेशन सेंटर और सिक्योरिटी एंड होम केयर एकेडमी का संचालक भी था। फरियादी ने उससे संपर्क किया। प्रेम कुमार ने उन्हें झांसा देकर अमित खरे ने 90 हजार की रकम लेकर रुपए ऐंठ लिये। एक पखवाड़े के भीतर में काम करने का यकीन दिलाया था। उन्हें फांसने के लिये आरोपी ने उन्हें चेक भी दिया था काम नहीं होने पर आरोपी रकम वापस लौटाने के लिये टाल मटोल करता रहा, बाद में जब उसका दिया चैक बैंक में डाला तो वह बाउंस हो गया। बाद में जब पीड़ित उसके अंकुर काम्पलेक्स स्थित घर पर पहुंचे तो पता चला की आरोपी अपना पूरा सामान लेकर गायब हो चुका था। पीड़ितों को उसकी खोजबीन के दौरान पता चला है कि प्रेम कुमार पवार के खिलाफ साल 2018 से लेकर 2023 के बीच फर्जीवाड़े के कई मुकदमे दर्ज है। एक मुकदमे में तो उसे सात साल की सजा भी हुई हैं। जिसमें वह जमानत पर बाहर चल रहा है। मामला दर्ज कर पुलिस मोबाइल नंबर के जरिए आरोपी के बारे में जानकारी जुटा रही है।

लड़के सुरक्षित नहीं हैं... उन्हें प्यार साबित करने के लिए जान देना पड़ती है, विडियो में कह युवक ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर। एजेंसी। एक विडियो में अपनी प्रेमिका, उसकी बहन, भाई और अन्य लोगों को जिम्मेदार बताते युवक ने फांसी लगा जान दे दी। वीडियो में युवक ने यह भी कहा कि लड़के सुरक्षित नहीं हैं... उन्हें प्यार साबित करने के लिए जान देना पड़ती है। मामला परदेशीपुरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम लविश लश्करी उम्र पच्चीस साल निवासी नंदानगर है। वह मूलतः उज्जैन का रहने वाला था। और यहां किराए का कमरा लेकर ड्राइवरी का काम करता था। पूछताछ में पुलिस को परिजनों ने बताया कि लविश का खंडवा की रहने वाली एक युवती से करीब दो साल से प्रेम संबंध था। वह डेढ़ साल तक युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहा था। कुछ समय पहले युवती के परिजनों को इसकी जानकारी लगी तो वे उसे अपने साथ ले गए और उसका मोबाइल भी रख लिया। लविश ने वीडियो में कहा कि वह युवती से संपर्क नहीं कर पा रहा था, जिससे मानसिक तनाव में था। उसने अपनी मौत के लिए प्रेमिका, उसकी बहन, भाई और अन्य लोगों को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवा वीडियो जब्त कर जांच कार्रवाई शुरू कर दी हैं।

इतिहास में पहली बार रेल मानचित्र पर उभरेगा जशपुर

धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार की अधिसूचना

रायपुर। एजेंसी। जशपुर जिले के विकास इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने के साथ ही जशपुर को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास की नई आधारशिला है। लगभग 291.881 किलोमीटर लंबी यह महत्वाकांक्षी रेल लाइन रायग ? जिले के धरमजयगढ़ से प्रारंभ होकर जशपुर जिले के पत्थलगांव होते हुए झारखंड के लोहरदगा तक पहुंचेगी। परियोजना के क्रियान्वयन से जशपुर जिला सीधे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा और क्षेत्र के विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकसित की जा रही आधुनिक आधारभूत संरचना तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों का परिणाम है। वर्षों से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही रेल संपर्क की मांग अब साकार होने की दिशा में निर्णायक चरण में पहुंच गई है। रेल मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार रेल अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक हित और राष्ट्रीय अवसंरचना विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही परियोजना औपचारिक रूप से प्रभावशील हो गई है। प्राकृतिक संसाधनों और संभावनाओं से समृद्ध जशपुर जिला अब तक रेल संपर्क से वंचित था। परिवहन के लिए मुख्यत: स ?क मार्ग पर निर्भरता के कारण आम नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और रोजगार की तलाश में बाहर जाने वाले युवाओं को अनेक कठिनाइयों का सामना करना प ?ता था। नई रेल लाइन के निर्माण से जिले की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक बदलाव आएगा और लोगों को सुरक्षित, सुलभ तथा किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। रेल संपर्क स्थापित होने से जशपुर के कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों को देश के ब ? बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। जैविक खेती, सुगंधित धान, मक्का, दलहन, सब्जियां और बागवानी उत्पादों के लिए पहचान रखने वाले इस क्षेत्र के किसानों को बेहतर बाजार और बेहतर मूल्य मिलने की संभावना ब ?गी। परिवहन लागत कम होने से स्थानीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही व्यापार और लघु उद्योगों को विस्तार का नया अवसर मिलेगा। जशपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, घने वन क्षेत्रों, जलप्रपातों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों के लिए विशेष पहचान रखता है। रेल संपर्क स्थापित होने के बाद पर्यटकों की पहुंच अधिक आसान होगी, जिससे पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होगी। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और अन्य सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। नई रेल लाइन विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच को सुगम बनाएगी। वहीं गंभीर मरीजों को ब ? शहरों के अस्पतालों तक शीघ्र पहुंचाने में भी सहायता मिलेगी। इससे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के साथ उनकी उपलब्धता और पहुंच में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। रेल परियोजना के निर्माण और संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार अवसर सृजित होंगे। बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। परियोजना की अधिसूचना जारी होने के बाद जशपुर सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी का माहौल है। लोगों का मानना है कि यह रेल लाइन केवल यातायात सुविधा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास, समृद्धि और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी। दशकों की प्रतीक्षा के बाद जशपुर का रेल मानचित्र पर स्थान सुनिश्चित होना जिले के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है। धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना जशपुर के विकास को नई दिशा देने वाली आधारभूत संरचना साबित होगी, जो आने वाले वर्षों में जिले की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का सामर्थ्य रखती है।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

पहले वनडे में कप्तान गिल ने नाबाद 84 रन बनाए; डेब्यू कर रहे गुरनूर-हर्ष को 3-3 विकेट

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान को पहले वनडे में 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। धर्मशाला में बारिश की वजह से 25-25 ओवर का मैच खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 48 गेंदों में अपना नौवां वनडे शतक लगाया। उन्होंने 8 चौके और 8 छक्के की मदद से 102 रन की पारी खेली। 195 रन का पीछा कर रही भारत ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 66 बॉल पर नाबाद 84 रन बनाए। केएल राहुल 39 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा ईशान किशन ने 34 रन की पारी खेली। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे

हर्ष दुबे और गुरनूर बरार ने 3-3 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को 2-2 विकेट मिले। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ में खेला जाएगा।

भारत ने 13 बॉल रहते मैच जीता

भारत ने 13 बॉल रहते मैच अपने नाम कर लिया।23वें ओवर में गिल ने पहली गेंद पर चौका जड़ा, जबकि केएल राहुल ने दो चौके लगाए। अजमतुल्लाह उमरजई के इस ओवर में भारत ने 13 रन बटोरे और 22.5 ओवर में 195 रन तक पहुंचकर 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली।

पाकिस्तान से हार स्वीकार नहीं कर सकते, हर हाल में है जीतना-जेमिमा

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप के शुरुआती मैच से पहले कहा कि हमें पाक से हर हाल में जीतना ही है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारतीय टीम किसी भी अन्य विरोधी से हार स्वीकार कर सकती है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ हार उन्हें कतई मंजूर नहीं।

जेमिमा ने कहा कि ये इसी कारण इस मैच में दबाव रहता है। उन्होंने याद करते हुए बताया, मुझे याद है जब मैंने अपना पहला भारत-पाकिस्तान मैच खेला था। ड्रेसिंग रूम में हरमनप्रीत कौर ने हमसे बात की थी और कहा था, इसे नकारो मत। बाहर से दबाव होता है क्योंकि हम भारत बनाम पाकिस्तान का इतिहास जानते हैं। हम जानते हैं कि फैंस क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया कि उनकी बिल्डिंग का वॉचमैन भी उनसे कहता है, किसी से भी हारो, लेकिन पाकिस्तान से नहीं। यह उस तरह का भारी दबाव है क्योंकि लोग क्रिकेट को दिल से पसंद करते हैं और उन्हें यह प्रतिस्पर्धा बेहद प्रिय है।

वहीं जेमिमा ने कहा, हम एक टीम के तौर पर विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के बारे में सोचते रहते हैं। यह हमारी दिनचर्या के हिस्से की तरह है। हमारा मानना ??है कि अगर आप किसी चीज को काफी देर तक देखते हैं, तो आप उस दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर देते हैं। यह हमारी टीम की थीम है। हमने 2025 विश्व

कप के दौरान भी ऐसा किया था और कोच ने भी हमें यही जारी रखने को कहा है।

टूर्नामेंट से पहले टीम की तैयारियों और दबाव से निपटने के तरीकों पर बात करते हुए जेमिमा ने बताया, हम हर गेम के लिए अलग तरह से तैयारी करते हैं। हम खुद को जानबूझकर मुश्किल परिस्थितियों में डालते हैं, चाहे वह प्रशिक्षण सत्र में हो या मैदान पर। हमारे बहुत सारे सेशन होते हैं जहां हम अलग-अलग दबाव भरी स्थितियों में खेलते हैं।

छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन

अंडर-19 टीम में चयन से जालंधर में खुशी की लहर

जालंधर। दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया।

भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौं वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका दौरे पर टीम का लक्ष्य अच्छा प्रदर्शन करते हुए सभी मुकाबले जीतना और ट्रॉफी भारत लाना होगा। अर्जुन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में उन्होंने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अर्जुन ने बताया कि उनके पिता डीएवी कॉलेज के बाहर वर्षों से छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने बेटे के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने के लिए अथक मेहनत की। अर्जुन ने भावुक होकर कहा कि अब उनकी जिम्मेदारी है कि वह अपने पिता के सपनों को पूरा करें और उन्हें संघर्ष से राहत दिलाएं। पिता होती राम ने कहा कि बेटे ने बचपन से ही क्रिकेट के प्रति समर्पण दिखाया और दिन-रात अभ्यास किया। वहीं, मां नन्ही देवी और बहन किरण राजपूत ने भी अर्जुन की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि परिवार का वर्षों पुराना सपना अब साकार हो गया है। अब सभी की नजरें श्रीलंका दौरे पर अर्जुन के प्रदर्शन पर टिकी हैं।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट 202

भारतीय टीम पहले ही मैच में पाकिस्तान को हराकर जीत से शुरुआत करने उतरेगी

शाम 7ः00 बजे शुरू होगा मैच

बर्मिंघम। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। विश्वकप मुकाबलों में हमेशा से ही भारतीय टीम पाक पर हावी रही है। ऐसे में प्रशंसक इस रोमांचक मुकाबले का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप जीता था। वहीं अब उसका लक्ष्य पहली बार टी20 विश्व कप खिताब जीतना रहेगा। भारतीय टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिसका उसे लाभ मिलेगा। बल्लेबाजी में भारतीय टीम के पास कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा व जेमिमा रोड्रिग्स जैसी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में उसके पास रेणुका सिंह, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा जैसी गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के हालातों में रेणुका की स्विंग गेंदबाजी और दीप्ति की सटीक लाइन-लेंथ का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन होगा।

दूसरी ओर फातिमा सना की कप्तानी में उतर रही पाक टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। हालांकि आंकड़ों पर नजर डालें तो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम पाक पर भारी पड़ी है। अब तक दोनों के बीच 16 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 13 भारतीय टीम ने जीते हैं। ऐसे में इस मैच में भी भारतीय टीम जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। पाक की बल्लेबाजी कमजोर है। उसकी ताकत केवल गेंदबाजी है। ऐसे में उसका लक्ष्य सादिया इकबाल और निदा डार जैसी अनुभवी स्पिनरों के जरिये भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना रहेगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं -

भारत-हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

पाकिस्तान-फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, एमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, तूबा हसन, रामीन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधु, डायना बेग और तस्मिया रुबाब।

विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका, कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से ठीक पहले जापान की फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के स्टार मिडफील्डर वातारू एंडो चोट के कारण न केवल विश्व कप से बाहर हो गए हैं, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की भी घोषणा कर दी है। 33 वर्षीय एंडो के इस फैसले के साथ जापान की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका लगभग एक दशक लंबा सफर समाप्त हो गया। जापान का पहला मुकाबला 15 जून को ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाना है, लेकिन उससे पहले कप्तान के बाहर होने की खबर ने टीम की तैयारियों को प्रभावित किया है। एंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संन्यास और विश्व कप टीम से हटने की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि चोट से उबरकर टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो सके। अपने भावुक संदेश में एंडो ने कहा कि उन्होंने वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और इस बात का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाने का दुख जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक गर्व उन्हें इस बात का है कि कतर विश्व कप के बाद जापानी टीम ने लगातार प्रगति की और खुद को मजबूत बनाया। एंडो ने मौजूदा जापानी टीम पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वर्तमान टीम बेहद प्रतिभाशाली और मजबूत है। उनके अनुसार खिलाड़ी किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता रखते हैं और इस विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान भविष्य में विश्व कप जीतने का अपना सपना जरूर पूरा करेगा। वातारू एंडो जापान के सबसे भरोसेमंद मिडफील्डरों में गिने जाते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल की समझ और मैदान पर अनुशासन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का अहम स्तंभ बनाया। पिछले दस वर्षों में उन्होंने जापानी फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब एंडो एक प्रशंसक के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। उनके संन्यास से जापानी फुटबॉल का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विश्व कप से ठीक पहले कप्तान की विदाई जापान के लिए भावनात्मक क्षण है, वहीं टीम के सामने उनके बिना बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती भी होगी।

महिला टी20 विश्व कप -इंग्लैंड की जीत से शुरुआत, श्रीलंका को 87 रनों से हराया

लंदन। यहां शुरु हुए आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 के पहले ही मैच में मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को 87 रनों से हराकर धमाकेदार शुरुआत की है। इंग्लैंड की जीत में डैनी व्याट की शतकीय पारी के बाद फ्रेया केम्प की घातक गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट पर 219 रन बनाये। इसके जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 20 ओवर में 132 रनों पर ही आउट हो गई। इस तरह मेजबान इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। इस मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और डैनी व्याट ने मिलकर पारी शुरु की। डैनी और जोन्स ने मिलकर पहले विकेट के लिए 135 रन बनाये। जोन्स ने 38 गेंद में 4 चौके और 1 छक्का लगाकर 53 रन बनाये। वहीं डैनी ने 62 गेंद में नाबाद 105 रन बनाये। वहीं कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने 22 गेंद में तेजी से 46 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम विफल रही। केवल निलाक्षिका सिल्वा भी 39 रन बना पायीं। इसके अलावा हर्षिता समरविक्रमा ने भी 29 रन बनाये। जबकि कविशा दिलहारी ने भी 19 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज विफल रहीं। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केम्प ने 4 ओवर में केवल 22 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा शार्लेट डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने भी 2-2 विकेट लिए। लॉरेन बेल और लिंडसे स्मिथ को 1-1 विकेट मिला।

हर्डलर तेजस ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए क्वालिफाई किया

110 मीटर हर्डल रेस में 13.27 सेकंड का प्रभावशाली समय निकाला

लुधियाना। भारतीय हर्डलर तेजस शिरसे ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज 9 में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल रेस में 13.27 सेकंड का प्रभावशाली समय निकालकर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही तेजस ने साल 2026 में होने वाले राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए क्वालिफिकेशन मार्क भी हासिल कर लिया है। 24 वर्षीय इस युवा एथलीट ने साल 2024 में 13.41 सेकंड के बनाये अपने ही पिछले रिकार्ड को तोड़ा था। अब नया समय निकालकर तेजस ने भारतीय एथलेटिक्स इतिहास की स्प्रिंट-हर्डल स्पर्धाओं में नई उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड (13.39 सेकंड) को भी आसानी से पार कर लिया। ये उनकी उत्कृष्ट तैयारी और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। बी फाइनल में शिरसे ने रेस की शुरुआत बेहद जबरदस्त तरीके से की। उन्होंने हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली और पूरे आत्मविश्वास के

साथ आगे बढ़े। हालांकि, आखिरी हर्डल से मामूली रूप से टकराने के बावजूद, उन्होंने अपनी गति को बनाए रखा और फिनिश लाइन तक शानदार रफ्तार के साथ 13.27 सेकंड का प्रभावशाली समय दर्ज किया। इस रोमांचक दौड़ में कृषिक एम 13.55 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, अन्य स्पर्धाओं में कुछ एथलीटों को निराशा हाथ लगी। पुरुषों की 800 मीटर रेस में मोहम्मद अफसल ने 1ः47.00 का समय लिया, जो कि कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड 1ः45.00 से काफी दूर था। इस प्रदर्शन के कारण कॉमनवेल्थ गेम्स टीम में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है और वे लगभग समाप्त हो सकती हैं, जिससे उनके प्रशंसकों में मायूसी छाई है। पुरुषों की जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता में भी कई एथलीटों ने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करने का प्रयास किया।

फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए

अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से रौंदकर विश्व कप में सबसे बड़ी जीत दर्ज की

इंगलवुड (कैलिफोर्निया), एजेंसी।

फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए जिससे अमेरिका ने अपनी घरेलू धरती में 32 वर्षों में पहली बार खेले जा रहे फुटबाल विश्व कप में पराग्वे पर 4-1 की धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूर्नामेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है। क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की।

इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा

अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था। बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे। नए कोच मॉरीशियो पोचेटीनो के मार्गदर्शन में अलग शैली में खेल रही अमेरिका की टीम ने अपने खेल से स्टेडियम में मौजूद 70,492 दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुलिसिच को उनके बाएं पैर की पिंडली के पिछले हिस्से में चोट लगने और उसके बाद कुछ जकड़न महसूस होने के बाद एहतियात के तौर पर हाफ टाइम के बाद मैदान पर नहीं उतारा गया और उनकी जगह सेबेस्टियन बर्हाल्टर ने ली। पुलिसिच ने कहा, सकारात्मक सोच रखें। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ खास है। पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई।

बोबाडिला ने किया आत्मघाती गोल

पुलिसिच के शानदार खेल की बदौलत डेमियन बोबाडिला ने सातवें मिनट में आत्मघाती गोल कर दिया। इसके बाद बालोगुन ने 31वें मिनट में और फिर पहले हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट मे गोल दागा। न्यूयॉर्क में जन्मे और लंदन में पले-बढ़े स्ट्राइकर बालोगुन ने विश्व कप में पदार्पण करते हुए 1930 के बाद टूर्नामेंट में किसी अमेरिकी खिलाड़ी द्वारा एक से अधिक गोल करने का कारनामा किया। बालोगुन ने इंग्लैंड की तरफ से खेलने की बजाय 3 साल पहले अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने का विकल्प चुना था। अगर वह इंग्लैंड की तरफ से खेलना चाहते तो हो सकता था कि उन्हें टीम में जगह नही मिलती। लेकिन अब वह अमेरिका के फुटबॉल नायक बन गए हैं। पुलिसिच ने अमेरिका के पहले दो गोल में अहम भूमिका निभाई। एसी मिलान की तरफ से खेलने वाले इस खिलाड़ी ने सातवें मिनट मे चतुराई से दो डिफेंडरों को चकमा दिया और वेस्टन मैककेनी को पास दिया, जिनका शॉट पराग्वे के मिडफील्डर बोबाडिला के पांव से लगकर गोल में चला गया। उन्होंने बालोगुन के पहले गोल में भी मदद की। इसके बाद पहले हाफ के इंजरी टाइम में मलिक टिलमैन ने तेजी से दौड़ रहे बालोगुन को एक लंबा पास दिया, जिन्होंने जगह बनाने के लिए थोड़ा रुककर ऊपरी कोने में एक शानदार शॉट लगाकर दर्शकों में जबरदस्त जोश भर दिया। हॉलीवुड से 10 मील दक्षिण में खेले गए इस मैच को देखने के लिए अमेरिका की कई हस्तियां पहुंची थी। इनमें टॉम क्रूज़, जॉर्ज लुकास, बिल गेट्स, हाले बेरी, लियोनार्डो डिकैप्रियो और करीम अब्दुल-जब्बार भी शामिल थे।

चंद कदम की दूरी पर पानी सप्लाई नही कर पा रही नपा ?

बस स्टैंड में पानी के लिए दर-दर भटक रहे यात्री, 20 रु की बॉटल खरीदकर बुझा रहे प्यास, यात्री प्रतीक्षालय का वाटर कुलर उगल रहा हवा, पानी की दरकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मौसम परिवर्तन के साथ विगत दिनों हुई बारिश ने भले ही तापमान को काफी हद तक कम कर दिया हो, लेकिन लोगो को गर्मी से राहत नही मिल पा रही है।नगर का अधिकतम 38-40 डिग्री सेल्सियस आसपास चल रहा है। ऐसे में नगर के बस स्टैंड पहुचने वाले यात्रियों,स्थानीय लोगो व अन्य मुसाफिरों के लिए यात्री प्रतीक्षालय में, ठंडे पानी तक की सुविधा नहीं है। कहने को तो प्रतीक्षालय में वाटर कूलर लगा है, उस वाटर कूलर के पानी को ठंडा करने के लिए विघुत के भी प्रवधंन है।लेकिन उस वाटर कूलर में पानी नही है।या कहे कि नपा की उदासीनता के चलते वाटर कूलर में पानी नही भरा जा रहा है जिससे ठंडे पानी की दो घुट में तलाश में वाटर कूलर तक पहुचने वाले लोगो को, एक बूंद पानी भी नसीब नही हो रहा है।बताया गया कि पहले नपा कर्मचारियों द्वारा इस वाटर कूलर में रोजाना पानी भरा जाता था, जिससे भारी मात्रा में लोग वह पहुचकर अपनी प्यास बुझाते थे, वही बॉटल में भी ठंडा पानी भरकर अपने साथ ले जाते थे,लेकिन पिछले कुछ दिनों से वाटर कूलर सूखा पड़ा है वही ठंडे पानी की आस में यात्री प्रतीक्षालय आने वाले लोगो को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। जहां पानी की व्यवस्था न होने के चलते लोग पानी के लिए खाली बोटल लेकर दर-दर भटकते नजर आ रहे हैं ,तो कई लोगों को 20 रुपए की पानी बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है।जिसपर नपा का कोई ध्यान नही है। स्थानीय यात्रियों और लोगों ने इस पर नाराजगी जताते हुए की व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है।

समाजसेवी संस्थाओ के भरोसे है पानी की व्यवस्था

अब इसे नगर पालिका की उदासीनता कहे या फिर कुछ ओर, की नगर के बस स्टैंड में नपा द्वारा पीने के पानी के इंतेजाम नही किए गए है, शायद यही वजह है कि यहां लोगो की प्यास बुझाने की जिम्मेदारी समाजसेवी संस्थाओं को स्वयं अपने कांधो पर लेनी पड़ी है।आपको बताए कि यहां एक समाजसेवी संस्था द्वारा मुलना गार्डन के पास वाटरकूलर लगाया है,उसमे भी नियमित पानी सप्लाई न होने के कारण लोगो को नियमित ठंडा पानी मिल पाता, वही इमदाद फाउंडेशन नामक एक संस्था भी लोगो की प्यास बुझाने के लिए मुलना गार्डन परिसर में रोजाना पानी की केन मंगवाकर ठंडे पेय जल की व्यवस्था बनाई है।वही एक पेट्रोल पंप संचालक द्वारा भी लोगो को ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन वहां सिर्फ पेट्रोल डलाने वाले ही पानी पीते है।लेकिन नपा द्वारा यह पानी के यहां कोई इंतेजाम नही है।दोनो यात्री प्रतीक्षालय में आने वाले यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था नही बनाई गई है, वही जहा व्यवस्था के तौर पर वाटर कूलर है, वहां पानी ही नही भरा जा रहा है जिससे लोगो को दिक्कत हो रही है।सबसे ज्यादा परेशानी बाहर से आने वाले लोगो को हो रही है ,क्यो की उन्हें नही पता समाजसेवी संस्थाओं द्वारा कहा कहा पानी उपलब्ध कराया गया है, वे सीधे पानी के लिए यात्री प्रतीक्षालय में आकर पानी तलाश करते है, नही मिलने पर वापस मायूस होकर लौट जाते है।वही मजबूरी में उन्हें स्थानीय दुकानों से 20 रु की बॉटल खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ती है।

सालो से बंद है शुद्ध पेयजल की मशीन

जानकारी के अनुसार नगरपालिका प्रशासन ने कई वर्ष पूर्व सरकारी बस स्टैंड प्रतीक्षालय समीप यात्रियों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की मंशा से वाटर कूलिंग मशीन लगाई थी। जो पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी हुई है। वर्षो से बंद इस ठंडे पानी की मशीन को आज तक नही सुधारा गया है। इसी तरह बस स्टैंड में समाज सेवियों ने अपनी ओर से वाटर कूलिंग मशीन लगाई है। मुलना जी की प्रतिमा के समीप लगाई गई इस वाटर कूलर मशीन मे कई बार तकनीकी खामियां आने के चलते यह मशीन बंद हो जाती है ।ऐसे में मुसाफिर इस मशीन के पानी का उपयोग भी नहीं कर पाते, वही एक समाजसेवी ने जो यात्री प्रतीक्षालय में वाटर कूलर मशीन लगाई है उसमें नपा द्वारा पानी नही भरा जा रहा है जिससे लोगो को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

प्याऊ सेंटर ना होने का दुकानदार उठा रहे फायदा

बस स्टैंड में ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं होने का पूरा फायदा यहां स्थानीय दुकानदार उठा रहे हैं। इन दुकानों में भी मुसाफिरों के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है। बल्कि पानी पाउच और बोतल बंद पानी का खूब व्यापार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि स्थानीय बस एजेंटों और स्थानीयजनों ने नगरपालिका में बस स्टैंड की वाटर कूलर मशीन में पानी भरे जाने मांग भी की है।लेकिन नपा इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

गंदगी का भी लगा अम्बार

उधर नपा से चंद कदमो की दूरी पर बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय में जहा तहा गंदगी का अंबार देखने को मिल रहा है।वही वाटर कूलर के आसपास कुछ ज्यादा ही गंदगी पड़ी है।खाली पानी पाउच, चिप्स नमकीन के पैकेट और शराब के पव्वे जहां तहां पड़े हुए नजर आ रहे हैं।हालांकि यात्री प्रतीक्षालय में रोजाना साफ सफाई होने की बात कही जा रही है, लेकिन वाटर कुलर के आसपास साफ सफाई की जहमत नही उठाई जा रही है।वही जहा तहा पान गुटखे के पिक नजर आ रहे है।

यात्री प्रतीक्षालय में वाटर कूलर है लेकिन उसमें पानी नही है- राकेश

नगर पालिका के समीप बने यात्री प्रतीक्षालय के पास खड़े युवक राकेश वासनिक ने बताया कि वे कटंगी से आ रहे हैं और उन्हें किसी काम से बैहर जाना है ,पानी पीने के लिए यात्री प्रतीक्षालय में आए थे, लेकिन यहां जो वाटर कूलर लगा है उसमें पानी नहीं है। लोग पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। लोगों को पानी की बोतल खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। यहां नगर पालिका ने प्याऊ की व्यवस्था नहीं की है। यदि यहां ठंडे पानी की सुविधा के लिए वॉटर कुलर लगाए है तो यहां पानी भी भरना चाहिए।

3-4 दिनों से कमर्चारी नही भर रहे पानी-यूसुफ

वही स्थानीय बस एजेंट मो.यूसुफ ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालय में ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर लगा है।लेकिन नपा के कर्मचारी यहां 3-4दिनों से पानी नही भर रहे है।जिससे लोगो को पानी की काफी समस्या हो रही है।पहले यहां रोजाना ठंडा पानी मिलता था, लेकिन पानी ना भरने के चलते अब पानी नही मिल रहा है।हम लोग भी अन्य यात्रियों की तरह इधर इधर से पानी का जुगाड कर अपनी प्यास बुझा रहे है।वही कई लोग पानी बॉटल खरीदने को मजबूर हो रहे है।हमारी मांग है कि जब यहां वाटर कुलर की व्यवस्था है तो इसमे रोजाना पानी भरा जाना चाहिए,ताकि लोगो को इस वाटर कूलर का लाभ मिल सके।

तत्काल बनाई जाएगी व्यवस्था-सूर्यप्रकाश उइके

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके ने बताया कि यहां मामला उनके संज्ञान में नहीं है, आपके द्वारा यह मामला संज्ञान में लाया गया है। कर्मचारी भेज कर मामले का तुरंत संज्ञान लिया जाएगा, साफ सफाई कराकर, वाटर कूलर में पानी भरने की व्यवस्था कर दी जाएगी।

रांची के करण-अर्जुन 12 दिन से लापता, कर्नाटक से आए अनजान कॉल ने बढ़ाई बेचैनी

रांची। रांची के धुर्वा से 12 दिन पहले गायब हुए दो भाई, करण और अर्जुन, की तलाश में पूरा इलाका जुटा है। पुलिस सुराग ढूंढ रही है और अब इस गुमशुदगी की कहानी में नया मोड़ एक अनजान फोन कॉल से आया है। कॉल करने वाले ने खुद को कर्नाटक से बताकर कहा कि दोनों बच्चे एक अस्पताल में भर्ती हैं, जिसने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है।

रात करीब आठ बजे आए कॉल ने मां डॉली देवी की उम्मीदों को नया झटका दिया। एक तरफ बच्चों के मिलने की आशा जगी, वहीं दूसरी ओर यह सवाल गहरा गया कि आखिर रांची के बच्चे कर्नाटक कैसे पहुंच गए? परिवार ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस उस मोबाइल नंबर की जांच में जुट गई है, जिससे यह रहस्यमयी कॉल आया था। इसका मकसद फोन करने वाले की पहचान और दी गई जानकारी की सच्चाई का पता लगाना है।

बारह दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ खाली रहने से धुर्वा में लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी दिख रही है। इस मामले ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। भाजपा ने कानून-व्यवस्था और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बातकर मशाल जुलूस निकालने की घोषणा की है। पार्टी का कहना है कि अगर बच्चों की जल्द बरामदगी नहीं हुई, तब आंदोलन और तेज होगा।

इस घटना ने लोगों को जनवरी में इसी तरह गायब होकर रामगढ़ से बरामद हुए एक बच्चे और रांची की 18 महीने की बच्ची की गुमशुदगी के पिछले मामलों की याद दिला दी है। उधर, रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने बताया है कि सिटी एसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर हर पहलू से जांच की जा रही है। लेकिन फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह कॉल सचमुच बच्चों के कर्नाटक में होने की पुष्टि करता है, या यह किसी की शरारत है? धुर्वा की मां अपने बच्चों की सकुशल वापसी का इंतजार कर रही है, जबकि पुलिस और नेता इन जटिल सवालों के जवाब तलाश रहे हैं।

शिक्षा मंत्री से मिले अभ्यर्थी और एबीवीपी कार्यकर्ता

नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने, माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स और आधुनिक ऑडिटोरियम निर्माण की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) एवं संगीत गायन, वादन और नृत्य विषय के चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों ने सर्किट हाउस में मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। सबसे पहले संगीत गायन, वादन एवं नृत्य विषय के चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों ने मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए लंबित नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद नियुक्तियां लंबित हैं, जिससे उनके सामने आर्थिक और भविष्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जल्द नियुक्ति मिलने से वे अपने करियर और भविष्य को बेहतर दिशा दे सकेंगे। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने भी प्रभारी मंत्री से मुलाकात कर जिले की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में डिप्लोमा इन माइनिंग इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारंभ करने तथा जिले में एक उच्च स्तरीय आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण की मांग

उठाई। विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधियों ने बताया कि बालाघाट जिला मैंगनीज और तांबा जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के लिए देशभर में पहचान रखता है। जिले में बड़े स्तर पर खनन गतिविधियां संचालित होने के बावजूद यहां के शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में माइनिंग इंजीनियरिंग का डिप्लोमा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है। इसके कारण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य शहरों और महानगरों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक और अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा एबीवीपी ने जिले में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और बौद्धिक गतिविधियों के आयोजन के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बड़े ऑडिटोरियम के निर्माण की आवश्यकता भी बताई। परिषद पदाधिकारियों का कहना था कि ऐसे भवन के अभाव में जिले में बड़े शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में कठिनाई आती है। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने दोनों प्रतिनिधिमंडलों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों पर उचित स्तर पर विचार करने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक अभ्यर्थी एवं एबीवीपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिहार में खाकी का काला खेल- पुलिस की जिप्सी एस्कॉर्ट कर रही थी गांजे की खेप

पटना। बिहार में कानून के रखवालों पर ही गुनाहगारों की मदद करने का मामला सामने आया है। मधुबनी जिले में बिहार पुलिस की डायल 112 जिप्सी नेपाल से आई 4 क्विंटल से भी ज्यादा गांजे की खेप को सुरक्षित पहुंचाने के लिए एस्कॉर्ट कर रही थी। यह मामला तब उजागर हुआ जब बिहार एसटीएफ को इस संबंध में खुफिया जानकारी मिली और उन्होंने इस पर कार्रवाई की।

जानकारी के मुताबिक, नेपाल से गांजे से लदी पिकअप वैन मधुबनी के बासोपट्टी थाना क्षेत्र में भारतीय सीमा में घुसी थी, इस वैशाली जिले तक ले जाने की तैयारी थी। एसटीएफ को इनपुट मिला था कि बासोपट्टी थाना की डायल 112 नंबर की पुलिस जिप्सी खेप को अपने थाना क्षेत्र से सुरक्षित निकालने का काम करेगी। बिहार एसटीएफ और जयनगर एसडीपीओ के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान गांजे से लदी पिकअप वैन के आगे-आगे डायल 112 जिप्सी मिली, जो गांजा तस्करों की मदद कर रही थी।

एसटीएफ की टीम ने गांजे से लदे पिकअप और पुलिस जिप्सी दोनों को रोका। एसपी ने बताया कि जब्त 419 किलो गांजे के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि थाने की 112 नंबर गाड़ी का ड्राइवर भी रैकेट में शामिल था, जो कि गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी और बासोपट्टी के थानेदार को निलंबित किया गया है। इस खुलासे ने पुलिस और तस्करों के बीच गहरी सांठगांठ को बेनकाब किया है। इतनी बड़ी खेप में अंतरराष्ट्रीय गिरोह और सफेदपोशों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है। नेपाल सीमा पर एसएसबी जवानों और पुलिस थानों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि 419 किलो गांजा इतनी आसानी से सीमा पार कैसे कर गया। पुलिस संरक्षण में चल रहे इस गोरखधंधे के उजागर होने से हड़कंप मच गया है।

पेपर लीक, बेरोजगारी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी कांग्रेस

राहुल राजस्थान से करेंगे आंदोलन की शुरुआत, 17 जून को कोटा में छात्र सम्मेलन, इसके बाद देश में दूसरी जगह होंगे

जयपुर। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह पेपर लीक, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के मुद्दे पर देशभर में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में वह इन तमाम मुद्दों को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की घेराबंदी करेगी। इसकी शुरुआत 17 जून से कोटा से की जाएगी। राहुल गांधी 17 जून को कोटा में स्टूडेंट सम्मेलन करेंगे। इस सम्मेलन में पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। वेणुगोपाल ने कहा- राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए लगातार आवाज उठाने में एक विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। कोटा के बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में स्टूडेंट सम्मेलन होंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि स्टूडेंट सम्मेलनों में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, युवा संगठनों, शिक्षकों और पेपरलीक घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की समस्याओं को सामने लाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और एक निष्पक्ष पारदर्शी भर्ती प्रणाली नहीं होने से प्रभावित हो रहा है। वेणुगोपाल ने कहा कि इन सम्मेलनों में पेपरलीक और भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा। बार-बार होने वाली परीक्षा विफलताओं व पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करने का भी अवसर होगा। वेणुगापाल ने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पार्टी एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, पीसीसी, डीसीसी और देशभर की स्थानीय इकाइयों के जरिए व्यापक जनसंपर्क कर छात्रों को संगठित किया जाएगा। साथ ही कैंपस में जनसंपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों में संवाद, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों से सीधा संवाद किया जाएगा। वेणुगोपाल ने बताया कि इस अभियान के जरिये नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

मीनाक्षी नटराजन मामला- चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा का नामांकन रद्द होने के मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि इन सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं ने मामले में अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभाई हैं। दरअसल शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ सुनवाई की मांग वाली याचिका खारिज की थी। इसके बाद शनिवार को प्रियंका चतुर्वेदी ने पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने पूरे प्रकरण को सीधे-सीधे सत्ता हथियाने की चाल बताया। वह यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर उंगली उठाकर कहा, सबसे खराब बात ये है कि चुनाव आयोग और पूरे सम्मान के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारियों का त्याग किया है। इतना ही नहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका पर तीखे सवाल उठा दिए। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद खबर आई कि हैदराबाद कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका यह कहकर लौटा दी कि यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला नहीं है। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने हैरानी जताकर कहा कि जब कोई एफआईआर नहीं थी और हाई कोर्ट भी याचिका लौटा चुका था, तब फिर रिटर्निंग ऑफिसर ने केंद्रीय चुनाव आयोग से विचार-विमर्श किए बिना ही कमजोर आधार पर नामांकन रद्द क्यों किया।

गैस रिसाव से चार युवकों की मौत

रामगढ़। रामगढ़ जिले के गिद्दी-रामगढ़ सीमावर्ती वन क्षेत्र में एक बंद खदान में गैस रिसाव से चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब ये लोग खदान के भीतर उत्खनन कार्य कर रहे थे। मृतकों की पहचान आशीष रजवार (25), किशोर रवानी (35), देवा कुमार बेदिया (25) और डब्लू बेदिया (30) के रूप में हुई है। घटना के वक्त सबसे पहले एक युवक गैस रिसाव की चपेट में आया और वहीं बेहोश होकर गिर गया। उसके बाकी तीन साथी उसे बचाने के लिए खदान में उतरे तो वो भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं गिर। उनके एक अन्य साथी ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। चारों युवकों को तत्काल पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया।

जयपुर अग्निकांड- अवैध पटाखा फैक्ट्रियों में बच्चों से काम, सामने आया मुख्य आरोपी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में 9 जून की सुबह हुए भीषण अग्निकांड में 8 लोगों की दर्दनाक मौत के मामले में बड़े खुलासे हो रहे हैं। इस अवैध पटाखा नेटवर्क के मुख्य साजिशकर्ता और फैक्ट्री संचालक फिरोज सहित वसीम और अकील की तस्वीरें सामने आई हैं, जिन पर इसी इलाके में दो अन्य अवैध फैक्ट्रियां चलाने का भी आरोप है। पुलिस इन फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और पूरे अवैध नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

जांच में सामने आया है कि दिल्ली निवासी आलम खान, अपने साथी आसिफ कुरैशी के साथ मिलकर इन अवैध फैक्ट्रियों का पूरा प्रबंधन देखता था। आरोप है कि ये लोग चंद पैसों की मजदूरी का लालच देकर 15 से 16 साल के नाबालिग बच्चों, लाचार महिलाओं और बुजुर्गों से बारूद के बीच जानलेवा परिस्थितियों में काम करते थे। सूत्रों के मुताबिक, खोह नागोरियान क्षेत्र की अवैध फैक्ट्रियों में 150 से अधिक लोग काम करते थे। हैरान करने वाली बात यह है कि पटाखों की लेबलिंग और बॉक्स पैकिंग का काम केवल फैक्ट्रियों तक सीमित नहीं था, बल्कि आसपास के कई घरों में भी भेजा जाता था, जिससे कई परिवार इस खतरनाक अवैध कारोबार का हिस्सा बन चुके थे। खोह नागोरियान थाना प्रभारी प्रकाश विश्नोई के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं और याकूब व कय्यूम को भगाने में मदद करने वाले सलमान कुरैशी को गिरफ्तार किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश में टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जंगली सूअर मोटरसाइकिल से टकराने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की चार दिन बाद मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मोटरसाइकिल जंगली सूअर से टकराने से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतकअरविंद पिता भारतलाल गोंडाने 42 वर्ष ग्राम ग्राम चंगेरा थाना रामपायली निवासी बताया गया है। यह घटना चार दिन पहले उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर से ससुराल आ रहा था जिला अस्पताल पुलिस में इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। जिसका पोस्टमार्टम 14 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चंगेरा निवासी अरविंद गोंडने खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी दो बेटी और एक बेटा है तीनों पढ़ाई करते हैं। बताया गया है कि अरविंद गोंडाने का ससुराल ग्राम केरा का है और वह इन दोनों अपने परिवार के साथ अपने ससुराल ग्राम केरा में ही निवास कर रहा था और अपने घर आते जाते रहता था। 7 जून को अरविंद गोंडाने मोटरसाइकिल में अपने गांव चंगेरा गया थाऔर रात्रि में वहां से मोटरसाइकिल में अपने ससुराल ग्राम केरा जाने निकला था। किंतु वह अपने ससुराल नहीं पहुंचा और वह अपने घर ग्राम चंगेरा में भी नहीं था। 8 जून को सुबह अरविंद गोंडाने को तलाश करने उसके परिवार के लोग निकले थे। जिन्होंने ग्राम भांडी नाले के पास अरविंद गोंडाने को घायल हालत में देखें ।जिसके सिर में चोट के निशान थे। वहीं पर जंगली सूअर भी मृत हालत में पड़ी हुई थी। संभावना व्यक्त की गई है कि ग्राम चंगेरा से जब अरविंद गोंडा ने मोटरसाइकिल में अपने ससुराल के ग्राम केरा आने निकला था तभी भांडी नाला के पास मोटरसाइकिल जंगली सूअर से टकरा गई जिससे अरविंद गोंडाने गंभीर रूप से घायल हो गया और जंगली सूअर की मौत हो गई । घायल अरविंद गोंडाने को परिजनों ने उसे तुरंत बालाघाट नगर के निजी हॉस्पिटल में भर्ती किए थे। सिर में चोट लगने के कारण इसी अस्पताल में बाहर का एक सर्जन बुलाकर अरविंद गोंडाने के सिर का ऑपरेशन किया गया। इसके बाद अरविंद गोंडाने के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो पाया तब तक 2 लाख से अधिक रुपए खर्च हो चुके थे ।13 जून को इस अस्पताल के डॉक्टरों ने हाथ खड़ा कर दिए और अरविंद गोंडाने को नागपुर ले जाने की सलाह दे दिये। इसके बाद सुबह अरविंद गोंडाने को उसके परिजनों ने नागपुर के एम्स ले गये। किंतु वहा पर भर्ती नहीं लिया गया। इसके बाद उसे अन्य अस्पताल में ले गए। किंतु वहा चिकित्सकों ने उसे चेक करने पर मृत घोषित कर दिये। शाम 6:00 बजे अरविंद गोंडाने का शव जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिसका पोस्टमार्टम 14 जून को किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण

21.68 करोड़ की लागत से बने आरओबी से शहर को मिलेगी जाम और फाटक की समस्या से राहत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बहुप्रतीक्षित गर्रा रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बने ओवरब्रिज (आरओबी) का लोकार्पण शनिवार को जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया। 21.68 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह ओवरब्रिज जिले के लिए विकास का नया द्वार साबित होगा और शहरवासियों को वर्षों पुरानी रेल फाटक की समस्या से राहत मिलेगी। एक दिवसीय प्रवास पर बालाघाट पहुंचे प्रभारी मंत्री ने लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जिला चिकित्सालय , कंट्रोल रूम में आयोजीत कार्यक्रम, सर्किट हाउस में आमजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तथा कलेक्टर कार्यालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आमजन तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह ओवरब्रिज केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि बालाघाट जिले के विकास और सुगम यातायात की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इसके शुरू होने से हजारों नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और रेलवे फाटक बंद रहने के कारण होने वाली परेशानी समाप्त होगी। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि ओवरब्रिज का निर्माण पूरी गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुरूप किया गया है। उन्होंने मंच से उन आशंकाओं का भी जवाब दिया जो पिछले कुछ समय से ब्रिज की ऊंचाई को लेकर व्यक्त की जा रही थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिज की हाइट निर्धारित मानकों के अनुसार है और भारी एवं बड़े वाहनों के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने 13 जून को बालाघाट-वारासिवनी-कटंगी मुख्य मार्ग पर वैनगंगा नदी पुल के समीप रेलवे क्रॉसिंग बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 पर निर्मित बहुप्रतीक्षित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का लोकार्पण किया। लंबे समय से प्रतीक्षित इस परियोजना के पूर्ण होने के साथ ही ब्रिज पर वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। इसके साथ ही रेलवे की मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बीके-09 को स्थायी रूप से बंद कर दिया जायेगा । लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राजा भोज के नाम पर बने इस ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में विकास और अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। बालाघाट जिला भी इस विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना है। उन्होंने कहा कि रेलवे क्रॉसिंग पर निर्मित यह ओवरब्रिज केवल बालाघाट जिले की जनता के लिए ही नहीं, बल्कि जिले में आने-जाने वाले हजारों यात्रियों के लिए भी सुविधा और सुरक्षा का माध्यम बनेगा। यह परियोजना यातायात को सुगम बनाने के साथ-साथ जिले के विकास के नए द्वार खोलेगी और क्षेत्र में नई संभावनाओं को जन्म देगी। उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों की सामंजस्यपूर्ण कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डबल इंजन सरकार ने विकास को दी नई रफ्तार - भारती पारधी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सांसद भारती पारधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और बालाघाट जिला भी इस परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन सरकार के कारण जिले में विकास कार्यों को नई गति मिली है। बालाघाट शहर में निर्मित दो रोड ओवरब्रिज अब आमजन की सेवा में समर्पित हो चुके हैं, जबकि भटेरा मार्ग पर प्रस्तावित ओवरब्रिज के कार्य में भी जल्द तेजी आने की उम्मीद है। सांसद श्रीमती पारधी ने बताया कि वैहर रोड पर भी एक और ओवरब्रिज के निर्माण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मांग भी जल्द पूरी होगी। उन्होंने कहा कि कभी नक्सल गतिविधियों के लिए पहचाने जाने वाला बालाघाट जिला आज विकास की नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से जिले में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है और बालाघाट नक्सल मुक्त जिले की दिशा में आगे बढ़ा है।

ऊंचाई को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम निराधार - गौरीशंकर बिसेन

इस अवसर पर पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने भी उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजा भोज आरओबी के निर्माण से जिलेवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे फाटक पर लगने वाले लंबे जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी और सभी विभागों के साथ-साथ आम नागरिकों का आवागमन भी अधिक सुगम होगा। उन्होंने कहा कि अब लोगों को रेलवे क्रॉसिंग खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। पूर्व मंत्री बिसेन ने ओवरब्रिज की ऊंचाई को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी स्पष्टता प्रदान की। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा था कि भारी और ओवरलोड वाहन इस मार्ग से नहीं गुजर पाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। ब्रिज का डिजाइन और ऊंचाई तकनीकी मानकों के अनुरूप निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 11 मीटर तक की ऊंचाई वाले वाहन आसानी से इस मार्ग से आवागमन कर सकेंगे और सामान्य परिवहन व्यवस्था पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। राजा भोज आरओबी के लोकार्पण के साथ ही बालाघाट-वारासिवनी-कटंगी मार्ग पर यातायात व्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। वर्षों से रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम, लंबा इंतजार और आवागमन में होने वाली परेशानियों से अब लोगों को राहत मिलेगी। जिले के विकास की दृष्टि से यह परियोजना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों तक क्षेत्र की जनता को मिलता रहेगा।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

मोटरसाइकिल से कट मारने पर विवाद

मजदूर से मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना क्षेत्र के ग्राम पल्हेरा के मरारीटोला में मोटरसाइकिल से कट मारने की मामूली बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने मजदूर के साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दे डाली। पुलिस ने आरोपी संजय गोस्वामी टिंगीपुर निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय कौशल राहंगडाले ग्राम कटंगी का निवासी है और मजदूरी करता है। काम के सिलसिले में वह टींगीपुर, चमरवाही समेत आसपास के गांवों में आता-जाता है। इसी दौरान उसकी पहचान टींगीपुर मरारीटोला निवासी संजय गोस्वामी से हुई थी।13 जून को सुबह करीब 11:30 बजे कौशल अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम पल्हेरा से कटंगी लौट रहा था। इसी बीच पल्हेरा मरारीटोला के पास सामने से आ रहे संजय गोस्वामी ने मोटरसाइकिल से कौशल को कट मारा जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया। कौशल ने चिल्लाकर संजय को मोटरसाइकिल संभालकर चलाने को कहा। इस बात पर संजय आवेश में आ गया। उसने कौशल की मोटरसाइकिल रोक दी और अश्लील गालियां देने लगा। कौशल के मना करने पर संजय ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी और उसे जमीन पर पटक दिया।कौशल के चिल्लाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद संजय गोस्वामी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। मारपीट में घायल कौशल को ग्रामीण मोटरसाइकिल से मलाजखंड थाना लेकर पहुंचे। बाद में उसका इलाज बिरसा के अस्पताल में कराया गया। कौशल राहंगडाले की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने आरोपी संजय गोस्वामी ग्राम टींगीपुर निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का अपराध पंजीबद्ध किया है। मामले की जांच जारी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट